राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 670
नागाधीश
नागराज का
एक पोस्टर
मुफ्त
नागराज
सुपर कमांडो ध्रुव

नाग-कानून से ऊपर कोई नहीं होता! न तो कोई इच्छाधारी नाग, न ही नागद्वीप सम्राट और न ही महात्मा कालदूत

नागों का कानून बताता है, नागसंहिता! और इस नागसंहिता में लिखे 'सर्प-संविधान' के अनुसार फैसला सुनाता है नाग्यालय का प्रमुख न्यायाधीश...

नागाधीश

संजय गुप्ता की पेशकश

visit us at: www.rajcomics.com
email: readers@rajcomics.com

महानगर के ताज में जड़ा गया नवीनतम हीरा है-

अंडरग्राऊंड मेट्रो-

सतह से 27 मीटर नीचे बनी 'ट्यूब-टनेल' में चलने वाली ये ट्रेन सेवा, यात्रियों से हमेशा खचाखच भरी रहती है-

लेकिन-
अरे! टक्कर नहीं हुई! हमको झटका तक नहीं लगा! शायद वह खतरनाक प्राणी, सेन वक्त पर रास्ते से हट गया होगा!
मुझे नहीं...
...रास्ते से तो तुमको हटना है! क्योंकि मुझे इस सुरंग को खत्म करने का काम सौंपा गया है!
एक स्टेशन के बाद इस सुरंग की पटरी खत्म हो जाती है!
पांच मिनट के बाद ये मेट्रो ट्रेन आखिरी स्टेशन को पार करती हुई सीधे उस मोटी दीवार से जा टकराएगी जो इस ट्रेक के अंत में, एक अवरोध के रूप में लगाई गई है!
एक भयंकर हादसा होगा और इंसान इस सुरंग में आने से भी डरेंगे! और फिर जब इस सुरंग का काम ही नहीं रहेगा तो ये सुरंग अपने आप बंद हो जाएगी!
और फिर से बन जाएगी उन सांपों का घर, जिनको इंसानों की दखलअंदाजी के कारण यहां से हटना पड़ा!
इस काम के लिए उनको मिलेगा घर और मुझको मिलेंगे पचास इच्छाधारी गुलाम सर्प!
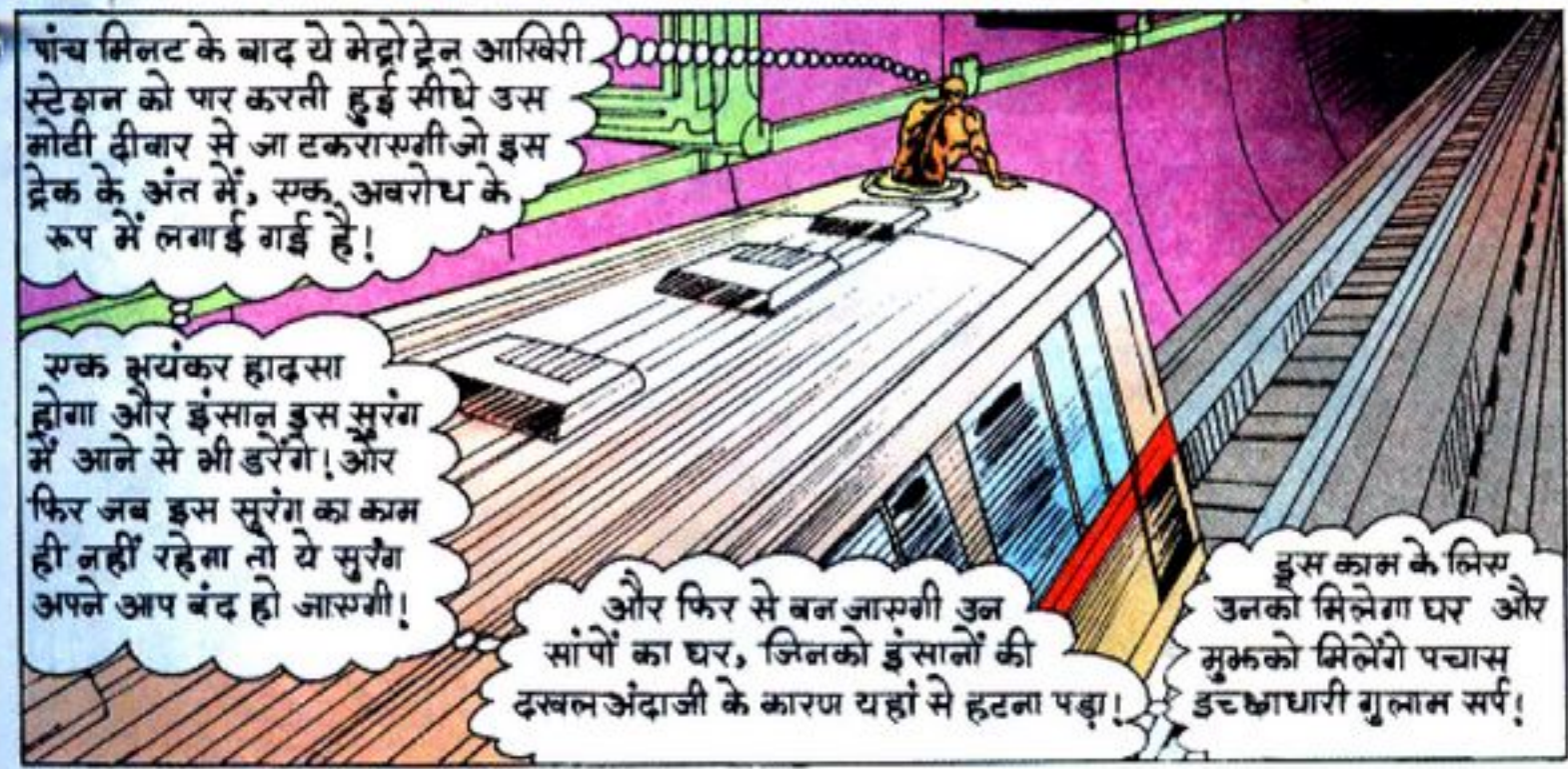
मेट्रो के अंदर-
बाकई ये ट्रेन सुंदर और साफ सुथरी होने के साथ साथ सुविधाजनक भी है! रोड से हम आते तो इतनी जल्दी घर कभी नहीं पहुंच पाते! चलो, अब अगला स्टेशन हमारा ही है, राज उठो!
स्टेशन आने वाला है तो ट्रेन की गति कम होने के बजाय और तेज क्यों हो रही है?
अरे! स्टेशन तो निकल गया!
और ट्रेन धीमी होकर रुकने के बजाय और तेज गति पकड़ रही है!
कुछ गड़बड़ लगती है, भारती!
मुझे चेक करना पड़ेगा!
ऐ! संभल के भई!
अरे! ड्राइवर और उसका सहायक तो बेहोश पड़े हुए हैं!
और ट्रेन के कंट्रोल टूटे हुए हैं!
इस ट्रेन को मुझे खुद रोकना होगा!
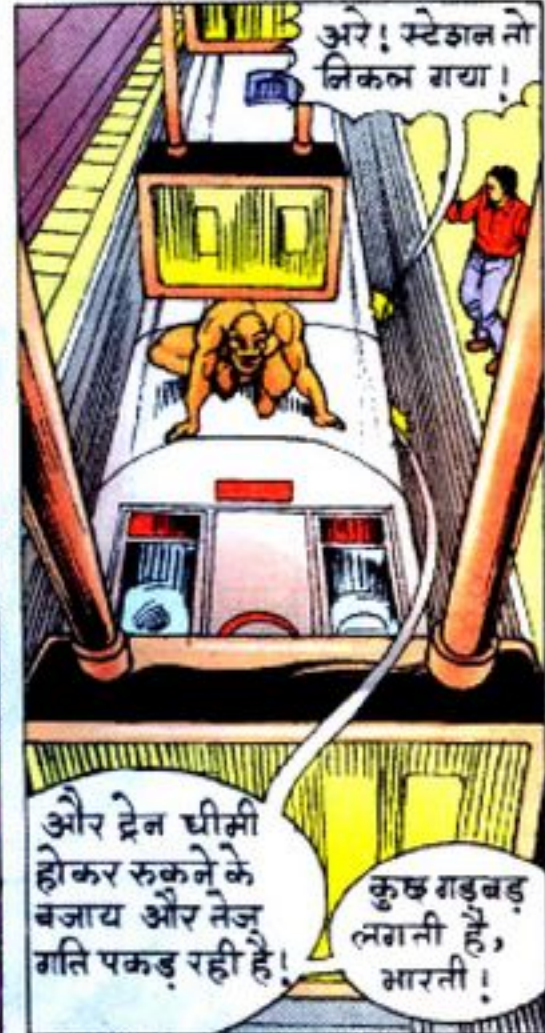
बाहर आकर!

अरे! नागराज! ये इतनी जल्दी यहाँ पर कैसे पहुंच गया? मैंने जो कहावत सुनी है, शायद वह सच है कि नागराज एक साथ बारह जगहों पर मौजूद हो सकता है!

लेकिन कुछ भी हो, इस भारी भरकम ट्रेन को नागराज की शक्ति भी रोक नहीं सकती!

अगर नागराज बीच में आया तो ये भी मरेगा!

इसीलिए मुझे नागराज की सांसें रोकनी होंगी!
नागराज!
मुझसे मार खाने के लिए यहां पर रुके क्यों रहे?
आरपार काम पूरा होने के बाद ही पार होता है!
ओह! मैं समझ गया कि ये काम तुम्हारा ही है!
लेकिन मैं ये नहीं समझा कि तुम यहां से आगे क्यों नहीं?
ताकि तुम्हारे जैसे 'मानवों के रक्षक' उस काम में टांग न अड़ा सकें!
आखिर ऐसा काम तुम करना क्यों चाहते हो? सैकड़ों मानवों की जान लेकर तुमको क्या मिलेगा?
मुझे तो बस पचास गुलाम सर्प मिलेंगे! लेकिन हजारों सर्पों को उनका घर वापस मिल जाएगा!
ये सुरंग!
और ये काम तुम सैकड़ों मानवों की जान लेकर पूरा करना चाहते हो! ऐसा नहीं होगा!

ऐसा ही होगा नागराज! क्योंकि तुम मुझसे उलझे रहोगे और ये ट्रेन अवरोध से टकरा जाएगी!
आऽऽऽ ह! ये सही कह रहा है! ये अपने शरीर के किसी भी अंग को ठोस बना सकता है, और किसी भी अंग को हवा की तरह पारदर्शी!
तुम्हारे वार मुझ पर बेकार हैं, नागराज! अब ट्रेन को बचाने के बजाय अपनी जान बचाने का तरीका सोचो!
फिलहाल तो मैं ट्रेन को रोकने का रास्ता सोचूंगा!
बिजली के इस टूटे तार की मदद से!
कड़ड़ड़ड़
बिजली का मोटा तार मेट्रो के पहियों में उलझता गया-
और झटके खाती हुई मेट्रो-
रुकने लगी-
आऽऽह! ये नहीं हो सकता! मेट्रो रुक नहीं सकती!
अब मेट्रो नहीं चलेगी, आरपार!
क्योंकि इसको चलाने के लिए पॉवर चाहिए, जो कहीं मौजूद नहीं है!
है! मैं दूंगा इसको पॉवर!
मैं चलाऊंगा इस ट्रेन को अपनी शक्ति से!
ओह! ये कंट्रोल पेनल में घुस रहा है!

और मेट्रो फिर से गति पकड़ रही है!
अवरोध अब ज्यादा दूर नहीं है!
जो करना है जल्दी ही करना होगा!
अब एक ही उपाय है! बस मैं उम्मीद करता हूं कि मेरी सर्प-रस्सियों में उस काम को पूरा करने की शक्ति हो!
गुंथी हुई सर्परस्सी के गुच्छे हवा में ऊपर रेंग गए-
अब मुझे ट्रेन की गति को फिर से कम करना है!
इस ट्रेन को आरपार अपनी शक्ति से चला रहा है!
यानी अब इस इंजन पर वार करने का मतलब आरपार पर वार करना है!
आऽऽऽह!
धड़
अ
क
मेरा ख्याल सही था! तुम एक ही वार में बेदम हो गए हो, आरपार!
लेकिन ट्रेन अब अवरोध से टकराने ही वाली है!
आखिरी जीत मेरी ही होगी, नागराज!

ट्रेन रुकेगी, आरपार! सामने देख!
ओह! तुम्हारी सर्प रस्सियों ने पटरियों को ट्रैक से उठाकर चढ़ाई बना दी है!
हां! और ट्रेन में अब इतनी गति नहीं है कि ये इस चढ़ाई को चढ़ सके!
आऽऽऽ, नागराज!
तुम अगर वक्त पर न आते तो हम सब कभी नहीं बचते!
आपको सवालों के जवाब बाद में मिल जाएंगे! एक दूसरी ट्रेन आपको यहां से ले जाएगी!
मुझे फिलहाल इस अपराधी को लेकर कहीं पर पहुंचना है!
अरे, ये नागराज है, फिल्मी पुलिस नहीं है!
पर तुमको इस मुसीबत की खबर कैसे मिली?
ये कौन है? इसकी शकल तो दिखाओ!

नागद्वीप पर-
ये लीजिए महात्मा कालदूत! एक और नाग अपराधी! हालांकि इसने जो अपराध किया है वह किसी और के इशारे पर किया है!
अब इसमे उस शख्स का नाम पता करना और इसको समुचित दंड देना आपका काम है!
ये काम मेरा नहीं, नाग न्यायालय का है! इसको सजा सिर्फ मुख्य नाग-न्यायाधीश ही सुना सकते हैं!
नाग न्यायालय! नागाधीश! मैंने इनके बारे में तो पहले कभी नहीं सुना!
वह शायद इसलिए क्योंकि तुम अधिकतर वक्त मानवों के बीच में बिताते हो! हर अपराधी नाग पर नागयालय में मुकदमा चलता है, और उसको सजा नाग संहिता के अनुसार ही दी जाती है!
नाग संहिता ही हमारा कानून है! उससे ऊपर कोई भी नहीं है! न नागद्वीप का सम्राट और न ही मैं स्वयं!
आश्चर्य है! मैं नागाधीश से मिलना चाहूंगा!

जरूर, नागराज! मैं उनसे मिलने का समय लेकर तुमको सूचित कर दूंगा!
वैसे विषांक कैसा है? पढ़ाई में अच्छे नंबर लाता है या नहीं?
विषांक तो बहुत तेज़ी से तरक्की कर रहा है! जब मैं नागाधीश से मिलने आऊंगा तो उसको भी लेता आऊंगा!
और किसी गुप्त स्थान पर-
ओफ़! नागराज ने फिर एक बार मुझे मात दे दी! नागों की नज़र में सम्मान पाने का एक और मौका मेरे हाथ से निकल गया!
मैंने तुमसे पहले ही कहा था, नागराज के रहते तुम कभी सफल नहीं हो सकती!
नागराज के पास जो शक्तियां हैं, उनसे पार पाना हम जैसे लोगों के बस की बात नहीं है!
काश, नागराज की शक्तियां मेरे पास होतीं! देव कालजयी के विष की फुंकार, शरीर में इच्छाधारी सांपों को रखने की शक्ति, अपने ही शरीर से सर्प पैदा कर सकने की शक्ति! अगर ये शक्तियां मेरे पास होती तो मैं पूरी दुनिया पर राज कर रही होती!
लेकिन ये शक्तियां न तो तुम्हारे पास हैं और न ही तुमको मिल सकती हैं!

अब ऐसा तो हो नहीं सकता कि नागराज ये शक्तियां तुमको खैरात में दे दे!
या फिर कोई नागराज से ये शक्तियां छीनकर तुम्हारे हवाले कर दे!
हुम्म! सुझाव तो अच्छा है! ऐसा हो सकता है!
लेकिन इसके लिए मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत है!
अगर तुमको नागराज से शक्तियां लेने के लिए मेरी मदद चाहिए तो जान हाजिर है!
क्योंकि फिर नागराज की जान मेरे लिए हाजिर होगी! खत्म कर दूंगी मैं नागराज को!
ठीक है! तो फिर ये तय रहा कि मैं नागराज की शक्तियां लूंगी...
...और तुम नागराज की जान!
पक्का! पर एक बात का ध्यान रखना!
किसी को भी इस बात की खबर न होने पाए! वर्ना तुम्हारी शक्तियां और मेरी जान नागराज के पास होगी!
"किसी को इसकी कानोंकान खबर नहीं होगी! अब तुम सुनो कि तुमको क्या करना पड़ेगा-"
अक्षरधाम मंदिर से अष्टधातु की दो-दो सौ किलो की पांच बेशकीमती मूर्तियों की चोरी हो गई है! इन मूर्तियों की कीमत करोड़ों डॉलर में आंकी जा रही है!
पुलिस इस बात से आश्चर्यचकित है कि हाई सिक्योरिटी वाले मंदिर में चोर ये काम कैसे कर गए? आपकी जानकारी के लिए बता दें...

मूर्तियां बचाने वाले क्या पॉपकॉर्न खा रहे थे ? शेम, शेम !

तू मुझे ताना मार रही है ?

चोर की दाढ़ी में तिनका ! इस वक्त दुनिया में लाखों लोग पॉपकॉर्न खा रहे होंगे !

पर यहां तो पॉपकॉर्न मैं ही खा रहा हूं ! और कोई तो यहां है नहीं !

तेरी 'सहेली' चंडिका भी पॉपकॉर्न खा रही थी क्या ?

ऐ देखो, चंडिका का नाम मत लेना ! उसके पास और भी बहुत काम हैं !

ओ. के. ! ओ. के. !
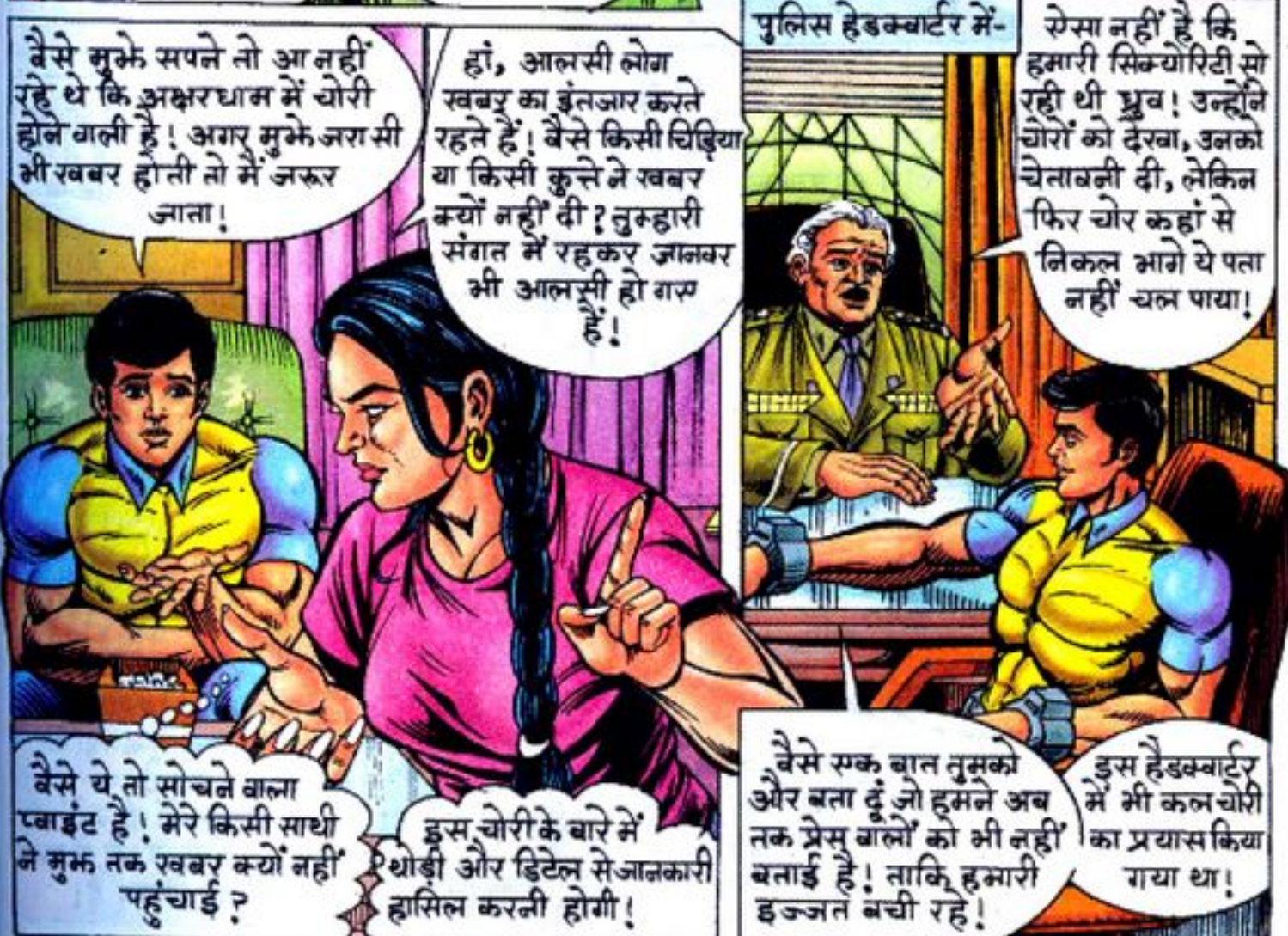
वैसे मुझे सपने तो आ नहीं रहे थे कि अक्षरधाम में चोरी होने वाली है ! अगर मुझे जरा सी भी खबर होती तो मैं जरूर जाता !

हां, आलसी लोग खबर का इंतजार करते रहते हैं ! वैसे किसी चिड़िया या किसी कुत्ते ने खबर क्यों नहीं दी ? तुम्हारी संगत में रहकर जानवर भी आलसी हो गए हैं !

वैसे ये तो सोचने वाला प्वाइंट है ! मेरे किसी साथी ने मुझ तक खबर क्यों नहीं पहुंचाई ?

इस चोरी के बारे में थोड़ी और डिटेल से जानकारी हासिल करनी होगी !

पुलिस हेडक्वार्टर में-

ऐसा नहीं है कि हमारी सिक्योरिटी सो रही थी ध्रुव ! उन्होंने चोरों को देखा, उनको चेतावनी दी, लेकिन फिर चोर कहां से निकल भागे ये पता नहीं चल पाया !

वैसे एक बात तुमको और बता दूं जो हमने अब तक प्रेस वालों को भी नहीं बताई है ! ताकि हमारी इज्जत बची रहे !

इस हैडक्वार्टर में भी कल चोरी का प्रयास किया गया था !

व्हाट! इतनी हिम्मत! कौन था वह चोर? क्या लेने आया था?
कल हमने तस्करी के कुछ हीरे पकड़े थे! उसका निशाना वे हीरे ही थे!
पर वह चोर सैकड़ों पुलिस वालों की नजर बचाकर अंदर घुसा कैसे? मैं उससे मिलना चाहता हूं पापा!
मिलना तो मैं भी चाहता हूं! यह पूछने के लिए कि पुलिस हैडक्वार्टर में अंदर कैसे घुसा? और किस रास्ते से निकल भागा!
निकल भागा? यानी... आप चोर को पकड़ नहीं पाए!
नहीं!
पर वह हीरे भी नहीं ले जा पाया!
ओ गॉड! अगर श्वेता को ये बात पता चल गई तो...
नहीं, नहीं! उसको मत बताना! वर्ना वह बोल-बोलकर मेरा जीना हराम कर देगी!
उस तक ये बात न पहुंचे इसी डर से तो मैंने ये बात प्रेस वालों को भी नहीं बताई!
अब उस चोर का, और अक्षरधाम वाले चोरों का पता कैसे चलेगा, पापा?
दोनों ही जगहों पर लगे सिक्योरिटी कैमरों ने चोरों की तस्वीरें खींची हैं!
ये देखो! कल तक ये फोटो पूरे देश के हर पुलिस स्टेशन में लगी होंगी! वे चोर हमको चुनौती देकर बच नहीं सकते!
ये फोटो मैं रख लेता हूं पापा! आप एक और प्रिंट निकलवा लीजिएगा!
अब तो मुझे भी ये जानने की उत्सुकता बढ़ गई है कि आखिर ये चोर हैं कौन जो हवा से आते हैं और हवा में ही गायब हो जाते हैं!
वे कम खतरे वाली जगहों पर भी आराम से करोड़ों की चोरी कर सकते थे। पर उन्होंने वे जगहें ही क्यों चुनीं, जहां पर पहले से सख्त सिक्योरिटी मौजूद है!

और उससे भी बड़ी बात ये है कि चोरों को मेरे मित्र पशु या पक्षी क्यों नहीं देख पाए?
अगर वे देखते तो मुझ तक खबर जरूर पहुंचाते!
अभी तो उनको इन चोरों के चित्र दिखाकर उनको इन चोरों को ढूंढने के काम पर लगाता हूं!
ताकि.... ओफ्!
एकाएक ये चमगादड़ कहां से आ गए?
और ये मुझ पर हमला क्यों कर रहे हैं?
ओफ्! बाल-बाल बचा!
अब ये चमगादड़ शांत हो गए हैं! शायद ये समझ गए हैं कि मैं इनका दुश्मन नहीं हूं!
यानी अब मैं आराम से जा...
ओह!
ये तो फिर से मुझ पर हमला करने लगे!

राजनगर स्थित फ्रेंच हाई कमीशन के अंदर मौजूद यह बेमिसाल आर्ट गैलरी-

इस गैलरी में इस वक्त दुनिया की सबसे मशहूर पेंटिंग 'मोनालिसा' प्रदर्शन के लिए लाई गई है-

और प्रदर्शनी के आयोजक इस पेंटिंग की सिक्योरिटी को लेकर एकदम आश्वस्त हैं-

क्योंकि एक तो एंबेसी की कड़ी थ्रीटियर सुरक्षा और उस पर पेंटिंग के लिए सिक्योरिटी में लगे कमांडो गार्ड्स-

यहां पर परिन्दा तो क्या, मक्खी तक पर नहीं मार सकती-

सब ठीक है न जवान? यहां पर कोई गड़बड़ तो नहीं हुई है?
नहीं सर! सब दुरुस्त है!
सब दुरुस्त नहीं है! ये गंदे जूतों के निशान कैसे हैं? कौन गंदे जूते पहनकर यहां आया था!
इधर से तो किसी का भी आना-जाना सख्त मना है!
ओ माई गॉड!
सि... सि... सिक्योरिटी स्लार्म बजाइस सर!
क्यों? सफाई वालों को बुलाने के लिए!
नहीं सर! ये जूतों के निशान सिक्योरिटी वालों के नहीं हैं!
व्हाट! यानी... यहां पर कोई आया था! कौन आया था? तू तो कह रहा था कि कोई नहीं आया!
मैं भगवान की कसम खाकर कहता हूं सर कि ये निशान दो मिनट पहले यहां पर नहीं थे! और पिछले सात घंटों में यहां से न तो कोई आया और न ही गया!
पर मैं तो सस्पेंडेड हूं, सर!
जाओ!
तो क्या यहां पर कोई भूत आया था!
यू आर सस्पेंडेड!
जाओ अलार्म ऑन करो!
अलार्म की आवाज पूरी एंबेसी में गूंज उठी-
आप सब बाहर जाएं! तुरंत! स्टील डोर बंद होने वाले हैं!
देखते ही देखते आर्ट-गैलरी दर्शकों से खाली हो गई-

चलो, आर्ट गैलरी खाली हो गई और स्टील डोर भी बंद हो गए! अब 'मोनालिसा' पर कोई खतरा नहीं है!

लेकिन तुम पर है!

तुम कौन हो? अचानक कहां से प्रकट हो गए?

और तुम बाहर क्यों नहीं गए!

जाऊंगा!

पर मोनालिसा को ले जाने के बाद!

और-

मोनालिसा यहां पर नहीं है!

बाहर जाने और अंदर आने के सारे रास्ते बंद कर दो! किसी भी अजनबी को देखते ही गोली मार दो!

फ्रेंच सरकार की प्रतिष्ठा दांव पर है!

पेंटिंग को हाथ लगाते ही पेंटिंग अदृश्य होने लगी-

सच में? ही ही ही!

ये मुझे कहां ले आए हैं! सामने तो फ्रेंच एंबेसी है! लेकिन, लेकिन...
... कुछ गड़बड़ है! लोग भागते हुए बाहर आ रहे हैं! सिक्योरिटी वाले अपनी- अपनी पोजीशन ले रहे हैं! और एलार्म की आवाज यहां तक सुनाई पड़ रही है!
मैं समझ गया दोस्तो! तुम जानते हो कि यहां पर ऐसी कोई मुसीबत है जिसको मैं ही संभाल सकता हूं!
लेकिन मुझे शक है कि एंबेसी की सुरक्षा एजेंसीज अपने काम में मुझे टांग अड़ाने देंगी!
मुझको चुपचाप अंदर जाना होगा, और चुपचाप ही गड़बड़ी फैलाने वाले को ढूंढना होगा!
और इस काम में मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत पड़ेगी!
रेडी?
च्वीं च्वींईई

अरे! एकाएक चमगादड़ों का यह झुंड कहां से आ गया? यह तो बादलों की तरह हमारे ऊपर मंडरा रहा है!
हमारी ड्यूटी चमगादड़ों पर नजर रखने की नहीं है! आदमियों को ढूंढ वर्ना हमें भी चमगादड़ की तरह उल्टा लटका देंगे!
चमगादड़ों का बादल! हुंह!
यह 'बादल' बेवजह ही नहीं आया था-
यह 'बादल' एक आड़ थी-
थैंक्यू दोस्तों! अब सिक्योरिटी वाले मुझको स्टारलाइन पर चलकर एंबेसी तक पहुंचते हुए देख नहीं पाएंगे!
कुछ ही पलों बाद ध्रुव एंबेसी के अंदर था-
अब बताओ कि मुझको जाना किधर है?
उस तरफ! ओ. के.!
अरे! यह चमगादड़ एकाएक जल कैसे उठा?
समझा! यहां पर अदृश्य 'लेजर ग्रिड' है!
लेकिन अदृश्य ग्रिड को देखने का तरीका मुझे आता है!
मुझे सिग्नल फ्लेयर की मदद लेनी होगी!
धुंए की पर्तों को जलाती हुई लेजर ग्रिड की लकीरें अब साफ नजर आ रही थीं-

तुम लोग 'लेजर-ग्रिड' को देख नहीं पाओगे! इसी-लिए तुम लोग मुझे देखना! मेरे पीछे-पीछे आना!
और उतनी ही आसानी से ध्रुव, अद्भुत कलाबाजी का प्रदर्शन करते हुए उस खतरनाक लेजर ग्रिड को पार कर रहा था-
चमगादड़ों की सुनने की शक्ति कमजोर जरूर थी! लेकिन वे ध्रुव की हर एक बात को आसानी से समझ रहे थे-
धुंए के कारण 'फायर सिस्टम' भी एक्टीवेट हो गया था-
टनटनननननननन
लेकिन ध्रुव द्वारा छोड़े गए धुंए ने एक गड़बड़ भी कर दी थी-
ओफ! पानी से फर्श एकदम चिकना हो गया है! ये फायर-डिफेंस सिस्टम किसने एक्टीवेट कर दिया है!
जीन सामने देखो!
शायद किसी ने ये सिस्टम सोच-समझकर ऑन किया है!

पानी की फुहारों के बीच में एक अदृश्य आकृति साफ नजर आ रही है! और उसके हाथों में पेंटिंग जैसी चीज भी है!
फायर!
नहीं!
गोलियों से बेशकीमती मोनालिसा को नुकसान पहुंच सकता है! इसको पकड़ना होगा!
मैं जानता था कि मोनालिसा से अच्छा सुरक्षा कवच मुझे मिल ही नहीं सकता है!
हेलो, कंट्रोलरूम! हमने चोर को देख लिया है! वह किसी उपकरण का प्रयोग करके अदृश्य हो गया है! तुरंत थर्मल स्कैनर को भी ऑन कीजिए!
गुड आइडिया कैप्टेन!
थर्मल लेजर में हमको चोर का शरीर साफ दिखेगा!
क्योंकि थर्मल-लेजर, शरीर की गर्मी से चोर को देखेगा।
लेकिन अगर चोर निकल भागा तो ये कैसे पता चलेगा कि कौन सा हमारा ऑफीसर है और कौन चोर?
हमारे हर ऑफीसर की यूनीफार्म 'थर्मल स्कैनर' पर नीले रंग की नजर आती है! जबकि चोर लाल रंग में नजर आएगा!
देखो, दिख रहा है न?
THERMAL IMAGE
लेकिन वो तो हमारे ऑफिसर्स को पीटकर भाग रहा है!
थर्मल लेजर से बचकर ये कहां जाएगा?
शायद अपने साथी के पास!
साथी के पास?
यस! ये देखो! इस स्क्रीन पर एक दूसरी लाल आकृति नजर आ रही है!

ये आकृति ध्रुव की थी-
और अब सुरक्षा गार्ड्स उसकी तरफ भी बढ़ रहे थे-
ओफ! तुम मुझे इधर क्यों ले जाना चाहते हो?
इधर तो...
यस कंट्रोल रूम! समझ गए! चोर का साथी कॉरीडोर नंबर सात में है! अब वह नहीं बचेगा!

गॉर्ड्स इधर ही आ रहे हैं! और इनको मेरी पोज़ीशन का पता है। पर कैसे? मैं तो सिक्योरिटी कैमरों की नजर बचाता हुआ यहां तक आया हूं!

वह इस दरवाजे के पीछे है! दरवाजे से चिपका हुआ!
शूट टू किल!
गोलियों ने दरवाजे को छलनी बना दिया-

और खून की धार दरवाजे की दरार से बह निकली-
ही इज़ डेड! तोड़ दो दरवाजा! जरा चोर के साथी की शक्ल तो देखें!

पहले दरवाजा टूटा-

और फिर गॉर्ड्स के जबड़े-
ये तो जिन्दा है! सही सलामत!
फिर वह खून किसका था!

मुझे बचाने के लिए एक और चमगादड़ ने अपनी जान दे दी!

पर ये सिक्योरिटी वाले मुझे दरवाजे के पार भी कैसे देख रहे थे!
ओह! थर्मल इमेजर। यानी पूरी इमारत की थर्मल स्कैनिंग की जा रही है!
थर्मल स्कैनिंग शरीर की गर्मी के माध्यम से किसी को भी ढूंढती है! अब शरीर की गर्मी को मैं कैसे छुपाऊं?
ये मुझे 'थर्मल स्कैनर' से देख रहे हैं! लेकिन मेरे पास इसका इलाज भी है!
मुझे 'थर्मल रेजिस्टेंट लेयर' ऑन करनी होगी, और वह लेयर थर्मल किरणों को सोखकर मुझे 'थर्मल स्कैनर' से छुपा लेगी!
चोर ने हाई टेक्नीक का सहारा लिया था और ध्रुव ने दिमाग का–
अब मुझे गुप्त और तेज रास्ते से चोर तक पहुंचना होगा! जल्दी! ये ठंडा पानी मुझे ज्यादा देर तक थर्मल स्कैनर से नहीं बचा पाएगा!
अरे! चोर की इमेज थर्मल स्कैनर से गायब हो रही है!
और इसके साथी की भी! पर कैसे?
उहू sssss
बड़ा ठंडा पानी है! लेकिन ये मेरे बदन का तापमान कम करके मुझे थर्मल स्कैनर से छुपा लेगा!
और चोर तक पहुंचने का सबसे तेज रास्ता है...
...ये एयर कंडीशनिंग डक्ट!

ये डक्ट इस इमारत के हर कोने में फैले हुए हैं। ये मुझको मेरी मंजिल तक पहुंचा भी देंगे और मुझको ठंडा रखकर मुझे थर्मल स्कैनर से भी बचाए रखेंगे!
आह।! बस दस कदम और, और मेरा काम पूरा हो जाएगा! मैं यानी... चोर चकल्लम मोनालिसा को चुराने वाला चोर बन जाऊंगा!
ऐ ऐ भई! टकराना मत! वर्ना मेरा भेद खुल जाएगा!
ये रास्ता अभी काफी भरा हुआ है! इसके खाली होने तक मैं ज़रा आराम कर लेता हूं!
इस ब्रूम- क्लोजेट में! जहां पर झाड़ू-पोंछे रखे जाते हैं! किसी को सपने में भी मुझे यहां ढूंढने का ख्याल नहीं आ सकता!...
...हे ऽऽऽ
ये चमगादड़ कहां से आ गए?
और... और ये मुझे देख भी सकते हैं!
क्योंकि ये अल्ट्रासोनिक साउंड की मदद से देखते हैं!
मैं इनसे छुप नहीं सकता!

और न ही तुम मुझसे छुप सकते हो! क्योंकि मैं जानता हूं कि जहां पर ये चमगादड़ होंगे वहीं पर तुम भी होगे!
आऽऽऽह! तू है कौन? जिसको फ्रेंच एम्बेसी की सुरक्षा एजेंसीज मिलकर भी नहीं ढूंढ पाईं, उसे तू रोकेगा?
तुझे तो मैं एक सेकंड में खत्म कर दूंगा! वर्ना इतनी आवाजें सुनकर सिक्योरिटी गॉर्ड्स भी यहां आ धमकेंगे!
ईयाऽऽऽऽ

आऽऽऽह्!
जोर का झटका लगे जोर से! अब पंगा मत लेना चकल्लम चोर से!
हाथ भी लगाया तो इस बार राख में बदल जाओगे!
ऐसा है तो मैं तुझे हाथ नहीं लगाऊंगा!
लकड़ी पर तेरा करेंट काम नहीं करेगा चकल्लम चोर!
आऽऽऽह!
रुक जा! वहीं रुक जा! वर्ना मैं इस बेशकीमती पेंटिंग के चिथड़े कर दूंगा!
अगर ये मेरे हाथ नहीं लग सकती तो किसी के भी पास नहीं रहेगी!
अरे वाह! ये धमकी एक बार फिर काम आ गई!
इस बार मैं तुझे नहीं छोड़ूंगा!
और तू मुझ पर वार नहीं कर पाएगा क्योंकि मुझे ढूंढ सकने वाले चमगादड़ भी एक-एक करके बेहोश हो चुके हैं!

अब मैं तुझे...
अरे! कहां गया?
मैं यहां हूं, चकल्लस!
अरे! अरे! आवाज़ सामने से आ रही है! पर तू दिख क्यों नहीं रहा है?
क्यों? गायब होने का लाइसेंस क्या सिर्फ तेरे पास है?
लेकिन उसने तो कहा था कि ऐसा सिर्फ एक ही 'कॉस्ट्यूम' है! और वह कॉस्ट्यूम उसने खुद बनाया है!
मुझे गायब होने के लिए कॉस्ट्यूम की जरूरत नहीं है!
आऊSSS
भूत है! ये भूत है! ये तो बिना कॉस्ट्यूम के गायब हो सकता है!
और मुझे गायब... मतलब अदृश्य रूप में भी देख सकता है!
देखूंगा कैसे नहीं! गीले फर्श पर तेरे जूतों के निशान जो दिख रहे हैं!
अब मेरा स्टैंड पर चिपकाया गया माइक्रोफोन फिर से काम आएगा!
अब जिन्दा रहना चाहते हो तो...
पीछे भी नहीं है!
मैं यहां हूं, चकल्लस!

...मोनालिसा को नीचे रख दो!

र...रख दिया! रख दिया!

लेकिन चकल्लम ने अपना मौका ताड़ लिया था-

चक्कलम के हाथों से अलग होते ही मोनालिसा फिर से साफ नजर आने लगी-

यही मौका है। अब मैं इस भूत से बचकर भागूं! ये तस्वीर संभालने के चक्कर में यहां रुक जाएगा!

और मेरे पीछे नहीं आ पाएगा! खैर कुछ भी हो...

मेरा काम तो हो ही गया है!

ओए! कौन है!

'ब्रूम-क्लोजेट' का दरवाजा खुला है!

कोई इसी से बाहर आया है!

चलो! अंदर चलकर देखते हैं!

अरे! मोनालिसा तो यहां पड़ी है!

ये यहां पर कैसे आ गई?

लेकिन लगता है कि चकल्लम हाथों से निकल गया है!

एक और हाई-फाई चोरी का प्रयास और चोर किसी को नजर नहीं आया!

कैसे भी आई हो! थैंक गॉड कि पेंटिंग हमको वापस मिल गई!

आखिर ये हो क्या रहा है?

रहस्यमय चोरियों का कारण यह था-

चोर नंबर वन को ढूंढने की एक प्रतियोगिता-

एक दिन बाद-

टेन मिलियन डॉलर का यह कांट्रेक्ट मुझे ही मिलना चाहिए मैडम! मैं अक्षरधाम से मूर्तियां भी ले आया और किसी ने मुझे देखा तक नहीं!

इसका काम तो आसान था मैडम! मेरे जैसा पुलिस हैड क्वार्टर में घुसने का काम करता तो इसको पता चलता! अक्षरधाम में बीस पुलिस वाले थे तो पुलिस हैडक्वार्टर में पांच सौ! सही है कि मैं हीरे नहीं ला पाया पर मैं उन तक पहुंच तो गया था!

कांट्रेक्ट का असली हकदार चकल्लम है मैडम! आपने मुझसे पेंटिंग चुराने को क था लाने को नहीं कहा था! पेंटिं तो मैंने सफलता से चुरा ली थी! अगर आप उसे लाने को कहती तो मैं उसे भी ले आता!

अक्षरधाम और पुलिस हैडक्वार्टर के सिक्योरिटी कैमरों ने तुम दोनों की फोटो खींच रखी है! वांटेड अपराधी बन चुके हो तुम दोनों शातिर चोर!

शटअप! शटअप! शटअप!

और तू चकल्लम बड़ी-बड़ी डींगें हांक रहा है! जैसे कि मुझे पत ही नहीं है कि तू ध्रुव से पिट कर आ है! अरे तेरी ड्रेस में मैंने कैमरा भी पि कर रखा है!

मैं हार गई! हार गई! सौ चोरों का टेस्ट लेने के बाद मैंने उनमें से इन तीनों को छांटा था! लेकिन ये तीनों भी बेकार और निकम्मे निकले!
अब मैं क्या करूं? कहां से लाऊं वह महाचोर जो मेरा काम कर दे!
क्रैकर को याद किया होता तो...
...ये फिजूल की कवायद नहीं करनी पड़ती, मिस किल्वर!
कौन हो तुम?
कहा न क्रैकर! ग्रेटेस्ट थीफ ऑफ द वर्ल्ड!
कुछ दोस्तों से पता चला कि तुम दुनिया का नंबर वन चोर ढूंढ रही हो! बस मैं तुमको दर्शन देने के लिए ब्राजील से दौड़ा चला आया!
लेकिन तुम अंदर कैसे आ गए? इस हवेली के बाहर तो...
बाहर पंद्रह गार्ड तैनात हैं! चार मेनडोर पर हैं! ग्यारह कॉरीडोर में हैं! पहली मंजिल पर सात गार्ड तैनात हैं! पूरी हवेली में सत्ताइस खुफिया कैमरे लगे हैं!
यहां से भागने के लिए चार खुफिया रास्ते हैं और...
बस, बस, बस! पूरी पोल मत खोलो! हम तुमसे बहुत प्रभावित हुए!

इतने गॉर्ड, कैमरों और सिक्योरिटी सिस्टमों को चकमा देकर मेरे इस हॉल तक पहुंचना मामूली काम नहीं है! लेकिन तुम यह कैसे साबित करोगे कि तुम चोरों के चोर हो! बेस्ट चोर!
तुम्हारी लैब से वे सारे गैजेट चोरी करके जो तुमने उन तीन छोटे-मोटे चोरों को दिए थे! और जिनके दम पर चोरी करके वे अपनी काबलियत का दम भर रहे थे!
हा हा हा हा हा!
हंस क्यों रही हो मैडम मिस किलर?
इस हवेली में घुसकर यहां तक पहुंचना एक मुश्किल काम जरूर है मिस्टर क्रैकर!
लेकिन मेरी लैब में घुसकर चोरी कर पाना असंभव काम है!
मेरी लैब तक जाने वाले एकमात्र कॉरीडोर में इलेक्ट्रिक शॉकर फिट है! लेजर ग्रिड फिट है! कारीडोर को हिलाने वाला क्वेकर लगा है! लैब के दरवाजे में बारह सौ वोल्ट का करेंट दौड़ता है! उसमें तीन अलग-अलग सिक्योरिटी अलार्म लगे हैं! पच्चीस लीवर वाले चार इलेक्ट्रानिक लॉक लगे हुए हैं! दरवाजों के ठीक अंदर लेजर गाइडेड मशीनगन लगी हैं! वो भी चार-चार!
और मेरे सारे गैजेट मेरी वेसल एंड वेसल की सेफ में रखे रहते हैं! उस सेफ के दरवाजे को न कोई काट सकता है न गला सकता है और उसके लॉक सिस्टम को मेरे अलावा कोई खोल नहीं सकता! खुद वेसल एंड वेसल वाले भी नहीं! और ऐसी सेफ के अंदर रखे हैं...

आपके ये सारे गैजेट! यही है न?
व्हाट? ये तो... पर कैसे? एमेजिंग! आई कांट बिलीव! तुम तो...
यस! तुम सचमुच नंबर वन चोर हो मिस्टर क्रैकर! मिस किलर तुमको देती है दस मिलियन डॉलर का कांट्रेक्ट!
इतने पैसे? वाऊ! लेकिन मुझे इतने पैसों के लिए करना क्या होगा?
समय आने पर वह भी पता चल जाएगा!
तो जब समय आएगा मुझे मोबाइल मार लेना! तब तक क्रैकर खाली नहीं बैठ सकता! इंडिया आया हूं तो एक दो फटाफट चोरियां भी कर लेता हूं! नया एक्सपीरियंस होगा!
और आखिरी भी! इंडिया आए हो तो टूरिस्ट बनकर घूम फिर लो! इंडिया की निगरानी नागराज, ध्रुव और डोगा जैसे ब्रह्मांड रक्षक सुपर हीरोज करते हैं! मेरे काम करने से पहले इंडियन जेल की सैर पर मत चले जाना!
ओ.के.! ओ.के.! थैंक्स फॉर एडवाइज! क्रैकर टूरिस्ट बनकर ही इंडिया में घूम लेगा!
इस महाषड्यंत्र का एक भाग तो सफलतापूर्वक पूरा हो गया था-

अब दूसरे भाग की शुरूआत होनी थी-

अ, मैडम! आप बता सकती हैं कि मिस्टर नागराज कहां पर मिलेंगे?

पूड़ा नाम बताएगा धिकड़ा? नागड़ाज सिंह है, नागड़ाज शड़मा है! अच्छा छोड़! पता बता दे!

जी, मैं सुपर हीरो नागराज की बात कर रहा हूं! वो जो कलाइयों से सांप छोड़ते हैं न, वही!

ओ, अपना वाला नागड़ाज धिकड़ा! उसका एड्रेज तो कोई है ही नहीं! होएगा तो अपुन जानता नहीं!

Battering Ball : मकानों को तोड़ने वाला लोहे का गोला

अरे! कंदु सर्प टिप्पा खाकर अपने अगले निशाने के लिए उछला क्यों नहीं?
विध्वंस फैलाता रह कंदु सर्प! वर्ना...
... नागराज कैसे आएगा?
आ गया! यही है नागराज!
थैंक्यू नागराज! तुमने हमें बचा लिया!
वर्ना मम्मी हमें बहुत डांटतीं!
तुमको तो मैंने बचा लिया! लेकिन इस मुसीबत को मेरे हाथों से कोई नहीं बचा पाएगा!

नागराज की अद्भुत नाग शक्ति के सामने कंदु सर्प की कुंडलियां गोल नहीं रह सकीं-
कंदु सर्प को नागराज ने कच्चे धागे की तरह खोल डाला-
और-
अब ये गांठ तेरे शरीर में तब तक लगी रहेगी, जब तक तू ये नहीं बताता...
...कि तू है कौन और ये तोड़फोड़ क्यों कर रहा था!
ये जो कुछ भी कर रहा था...
...मेरे कहने पर कर रहा था!
और ऐसा करने का मेरा एकमात्र कारण तुमको बुलाना था!
तुम कौन हो? क्या चाहते हो मुझसे?
तुमको अपने साथ ले जाना चाहता हूं! मैं सम्मन लेकर आया हूं!
तुमको नागाधीश के समक्ष प्रस्तुत होना है!
नागाधीश के समक्ष! शायद उनको आरपार सर्प का फैसला करने के लिए मेरी गवाही की आवश्यकता है!
परंतु सम्मन भेजने का यह तरीका गलत है!
फिर भी मैं तैयार हूं! इस विध्वंस का कारण मैं नागाधीश से स्वयं ही पूछ लूंगा!
ठीक है नागराज! मुझे उम्मीद नहीं थी कि तुम इतनी आसानी से मान जाओगे!
लेकिन कानून के अनुसार मैं बंदी बनाने से पहले तुमको बता दूं कि...
बंदी! तुम मुझे बंदी बनाने आए हो?
हां, नागराज! तुम पर नाग शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप है!

अपने ऊपर लगे आरोपों को मान लो और नागशक्तियों का त्याग करके मेरे साथ बंदी बनकर नागाधीश के समक्ष चलो!
मैं समझ गया! ये कोई षड्यंत्र है! और तुम मुझे नागाधीश का नाम लेकर बहका रहे हो, ताकि मैं बंदी बन जाऊं और मेरे दुश्मन मुझे आसानी से खत्म कर सकें! ऐसा नहीं होगा!
तुम समझ नहीं रहे हो नागराज! मैं नागाधीश का सेवक पाश सर्प हूं! और नागाधीश ने मुझको जिन शक्तियों को देकर भेजा है उससे कोई भी नाग या नागशक्ति धारक बच नहीं सकता!
ये कहानियां सुनकर मेरा मनोबल नहीं गिरेगा पाश सर्प!
इतना तो मुझे पता है कि आरपार सर्प को किसी और ने भेजा था!
शायद उसी ने तुमको भी भेजा है! और वह है कौन, ये नागराज तुमसे जान कर ही रहेगा!
तुम जिस आरपार सर्प की बात कर रहे हो उसको उसकी करनी का दंड मिल चुका है
लेकिन तुम्हारे अपराध का फैसला होना अभी बाकी है!
इसीलिए प्रतिरोध करना बंद करो और चुपचाप बंदी बनकर मेरे साथ चलो!

नागराज जहां भी जाता है, अपनी मर्जी से जाता है!
हा हा हा! ये नाग भी नाग संहिता के कानून से बंधे हुए हैं! ये नाग-संहिता के रक्षकों को हानि नहीं पहुंचाएंगे!
अगर मेरे नाग तुमको हानि नहीं पहुंचा सकते...
...तो तुम्हारे खुद के नाग पहुंचाएंगे।
आऽऽऽह!
तूने अपने ही स्वामी को चोट पहुंचाई नाग?
जा नागाधीश के पास जा और अपनी सजा भुगत!
अरे! ये नाग तो लुप्त हो गया!
नागाधीश की शक्ति से मैं तुम्हें बंदी बनाता हूं, नागराज!
ऐसा मैं हर नाग के साथ कर सकता हूं! पर तुम मानव नाग हो!
इसीलिए तुम पर ये शक्ति काम नहीं करेगी! वर्ना तुमको नागालय में बुलाने के लिए मुझे स्वयं नहीं आना पड़ता!

अरे! कहां गया! बंदीगृह तो खाली है!
मैं यहां हूं!
और अब तुम्हारी शक्ति का केंद्र यह दंड मेरे पास है!
अच्छा! तो तुम्हारे पास गायब होने की शक्ति भी है!
लेकिन यह दंड ज्यादा देर तक तुम्हारे पास रह ही नहीं सकता!
यह सही कह रहा है! दंड अपने आप इसकी तरफ खिंचता जा रहा है! मैं इसको ज्यादा देर तक रोक नहीं पाऊंगा!
लेकिन अगर दंड इसके पास पहुंच गया तो मैं बचूंगा नहीं! मुझे दंड को इससे दूर करना ही पड़ेगा!
और इसका सबसे अच्छा तरीका ये है!
ये क्या किया तूने, नागराज!
और ये काम तुम होश में आने के बाद आराम से कर सकते हो!
पृथ्वी की कक्षा में घूमते उपग्रहों के पास भेज दिया है! अब वहां से दंड को बुला सकते हो तो बुला लो पाशनाग!
आऽऽऽह! ये विष! ऐसा विष तो किसी भी नाग के पास नहीं है!
फ्रूऊऊ

आऽऽऽह! अब और कोई रास्ता नहीं है! मुझे अंतिम महाअस्त्र का प्रयोग करना ही पड़ेगा!
वायुनाग!
अरे! ये कैसा नाग है? इसका शरीर तो चक्रवाती वायु का बना हुआ है!
और ये विशाल रूप धारण करता जा रहा है!
नागराज के कुछ समझ पाने से पहले ही नागराज वायुनाग के मुंह के अंदर था-
और वायुशक्ति उसको किसी अंजान मंजिल की तरफ खींचती जा रही थी-
इस शक्ति से निपटना नागराज के वश की भी बात नहीं थी-
धीरे-धीरे नागराज का शरीर-
और उसका मस्तिष्क भी अंधेरे में डूबता चला गया-

और पता नहीं कितनी देर के बाद-
उठो नागराज!
आंखें खोलो!
मुकदमे की कार्यवाही शुरू होने वाली है!
नागाधीश न्यायालय में पधार रहे हैं!
सभी खड़े हो जाएं!
नागराज पर आरोप है कि उसने नागशक्तियों को मानवरूप में धारण किया, मानवों को नागशक्तियों से लाभ पहुंचाया, और नागशक्तियों का प्रयोग नागों के विरुद्ध ही किया।
आरोप तय हो चुके हैं!
आरोपी नागराज को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए
कृपया अब सभी बैठ जाएं! न्यायालय की कार्यवाही आरंभ होती है!
पहली सुनवाई आरंभ हो!
प्रथम सुनवाई नागराज बनाम नाग संहिता, सुनवाई संख्या 4228 है!
और ये तीनों ही कार्य नाग संहिता की धारा 138 क के अनुसार आपराधिक श्रेणी में आते हैं!
नागराज, न्यायालय में हाजिर हो!

नागराज को उस पर लगे आरोप सुनाए जाएं!
उसकी आवश्यकता नहीं है, माननीय नागाधीश!
मैं अपने ऊपर लगे आरोपों को सुन चुका हूं, और उन सभी आरोपों से इंकार करता हूं!
ठीक है! क्या तुम अपनी तरफ से किसी अनुभवी नाग वकील को नियुक्त करना चाहोगे या नागयालय तुम्हारे लिए अपनी तरफ से एक नाग वकील नियुक्त करे!
मैं अपना बचाव खुद करूंगा!
परंतु उससे पहले मैं ये जानना चाहूंगा कि ये आरोप मुझ पर किसने लगाए हैं!
ये आरोप तुम पर आरपार नामक सर्प ने लगाए हैं जिसको सज़ा दी जा चुकी है!
अब नागयालय की तरफ से नागराज से पूछताछ प्रारंभ की जाए! आधिकारिक वकील फनीनाथ कार्यवाही आगे बढ़ाएं!

श्रीमान नागराज, क्या आप न्यायालय को ये बताने का कष्ट करेंगे कि आपको ये नागशक्तियां कब और कैसे मिलीं?
ये शक्तियां जन्म से ही मेरे पास हैं!
यानी ये शक्तियां आपको न तो किसी ने दीं और न ही आपने किसी से मांगी!
बिल्कुल ठीक! जहां तक मैं समझता हूं मेरी शक्तियां देव कालजयी के आशीर्वाद के कारण हैं!
और नागों के देव, देव कालजयी के वरदान का प्रयोग आपने नागों के विरुद्ध ही किया!
सिर्फ उन नागों के विरुद्ध जो आपराधिक प्रवृत्ति रखते हैं और विनाश फैलाते हैं!
और ये अधिकार आपको किसने दिया कि आप नागों पर अपनी शक्ति का प्रयोग कर सकें?
अपराधियों और विनाशकारियों को रोकना हर प्राणी का कर्तव्य है! इसके लिए किसी की आज्ञा लेने की आवश्यकता नहीं है!
ध्यान दिया जाए माननीय नागाधीश! नागराज अपने आप ही यह निर्णय ले लेते हैं कि किसको किस प्रकार से मारना, पीटना या समझाना है!
यानी इनकी दृष्टि में न तो नाग संहिता का कोई महत्त्व है और न ही न्यायालय और नागाधीश का!
आ... आप मेरी बात को तोड़ मरोड़ कर पेश कर रहे हैं, फनीनाथ! सच तो यह है कि मुझे नागाधीश या न्यायालय और नाग संहिता के बारे में पहले पता ही नहीं था!
इस बात पर भी गौर किया जाए कि नागराज को नागों के विधि-विधान की कोई जानकारी नहीं है! जबकि ये बात हर वयस्क नाग जानता है!

और इसका अनुचित लाभ उठाते हुए नागराज ने अपनी नागशक्तियों का प्रयोग सिर्फ अपराधी नागों के विरुद्ध ही नहीं, बल्कि पूज्यनीय नागों के विरुद्ध भी किया!
ये झूठ है!
झूठ-सच का फैसला अभी हो जाएगा! क्योंकि अब मैं अपने पहले गवाह को बुलाने जा रहा हूं!
महात्मा कालदूत को न्यायालय में बुलाया जाए!
महात्मा कालदूत न्यायालय में हाजिर होंऽऽऽऽऽ!
और शीघ्र ही-
क्या आप आरोपी को पहचानते हैं, महात्मा कालदूत ?
हां! ये नागराज है! मेरा शिष्य, और मित्र!
मैंने रिश्तों के बारे में नहीं पूछा था! वैसे जब आपने इनको मित्र कह ही दिया है तो यह भी बता दीजिए कि अपने मित्र नागराज से आपकी पहली मुलाकात कब और कहां हुई थी ?
नागराज कुछ अपराधियों के पीछे नागद्वीप पर आया था! मेरी इससे पहली मुलाकात वहीं पर हुई थी!

हमारी जानकारी के अनुसार आपके मित्र नागराज से आपकी कई बार मुठभेड़ हो चुकी है! एक दो बार तो आपको नागराज से टकराने के लिए महानगर भी जाना पड़ा था! और तब मित्र नागराज ने आप पर घातक वार भी किए थे! आपके स्थान पर कोई कम शक्ति वाला नाग होता तो उसकी जान भी जा सकती थी! यह सही है या गलत?
दरअसल ये सब अंजाने में हुआ था!
सही या गलत?
सही है!
माननीय नागाधीश! नागराज अपनी शक्तियों का प्रयोग करते समय यह बिल्कुल नहीं देखते कि उनके सामने कौन है! अभी कुछ दिनों पहले ये हम सबके पूज्यनीय महानाग देव शेषनाग से भी भिड़ गए थे!
नागयालय सभी बातों पर गौर कर रहा है!
ऐसा ही अनुचित व्यवहार नागराज ने कई महानागों के साथ किया है! अब मैं अपने दूसरे गवाह को बुलाना चाहूंगा! मेरे अगले गवाह हैं...
...तक्षकराज, नागयालय में हाजिर हों!
नागराज से मेरी मुलाकात तब हुई थी जब ये पाताललोक में आया था!
दूध पीने? भोजन करने?

जी नहीं! तब तो मैं नागराज को जानता भी नहीं था! नागराज शक्ति नाम की एक नारी के साथ पाताल लोक पर हमला करने आया था!
मैं हमला करने नहीं बल्कि उन निर्दोषों को बचाने आया था, जिनको तुमने बांबियों के जरिए पाताल लोक में खींच लिया था, तक्षकराज!
आरोपी नागराज बीच में न बोलें! इनको अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया जाएगा!
हां, तो तक्षकराज, एक नागराजा होते हुए भी नागराज ने आप पर हमला किया?
ये सच है। नागराज ने मुझे दो भागों में भी बांट दिया था।
और मुझे घुटने टेकने पर मजबूर भी कर दिया था!
तुमको अपनी सफाई में कुछ कहना है, नागराज?
अवश्य कहना है नागाधीश! मैंने किसी भी नाग पर पहले हमला नहीं किया! मैंने जो भी किया वह अपने बचाव में किया! और हर कानून हर प्राणी को अपने बचाव की इजाजत देता है!

जानने के लिए पढ़ें : बांबी

तुम अपने बचाव में किसी को बुलाना चाहते हो?
हां, नागाधीश! मैं नागद्वीप की राजकुमारी कुमारी विसर्पी को बुलाना चाहता हूं!
कुमारी विसर्पी को न्यायालय में बुलाया जाए!
नागराज! तुम न्यायालय में क्या कर रहे हो?
मुझ पर नागशक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है विसर्पी!
और मैं चाहता हूं कि तुम न्यायालय को सच्चाई बताओ!
नागराज एक आदर्श व्यक्तित्व है! नागद्वीप का हर सर्प बालक नागराज जैसा बनना चाहता है!
और ऐसा सिर्फ इसलिए क्योंकि नागराज कभी शक्ति का दुरुपयोग नहीं करता है!
सच्चाई तो यह है कि आज के दिन अगर नागों के मुख्य निवास नागद्वीप का अस्तित्व बचा हुआ है तो सिर्फ नागराज के कारण!
वर्ना नगीना, विषंधर और इनके ही जैसे सत्ता के लालची सर्प कभी का नागद्वीप को तबाह कर चुके होते! मैं ऐसे एक नहीं, अनगिनत उदाहरण दे सकती हूं, जब नागराज ने नागद्वीप को और नाग जाति की रक्षा की है! जैसे कि एक बार...
एक क्षण! इससे पहले कि कुमारी विसर्पी, नागराज के 'आदर्श व्यक्तित्व' पर प्रकाश डालें, मैं इनसे कुछ पूछना चाहता हूं!
आज्ञा है!
हां, तो कुमारी विसर्पी, क्या यह सच है कि आप नागराज से प्रेम करती हैं?
क्या? इस प्रश्न का इस सुनवाई से क्या संबंध है?

जानने के लिए पढ़ें : त्रिफना एवं विषकन्या

तक्षकनगर तो मानवों का एक शहर था!
जी हां!
यानी आप मानव हैं! या यूं कहें कि अब मानव नाग हैं!
ये तो स्पष्ट है! और ये सभी जानते हैं!
नागराज यह मान रहे हैं कि ये एक मानव होने के बावजूद भी नाग-शक्तियों को धारण करते हैं और मानवों के बीच में उन शक्तियों के साथ भी रहते हैं!
तो श्रीमान नागराज, क्या आप बता सकते हैं कि आपने जिन 'अपराधी नागों' पर नागशक्तियों का प्रयोग किया वे क्या-क्या करते थे?
मेरा मतलब... वे कहां पर और कैसे विनाश फैलाते थे?
माननीय नागाधीश, नागराज को उन नागों की कोई चिन्ता नहीं थी जो वह सुरंग बनने से बेघर हुए! इनको चिन्ता थी तो मानवों की! नाग संहिता के अनुसार कोई भी नागशक्तिधारक सिर्फ नागों के बीच में रह सकता है, मानवों के बीच में नहीं!
यह नियम मानवों और नागों के बीच में टकराव को रोकने के लिए बनाया गया है!
आपके सामने अभी-अभी आरपार सर्प का ताजा उदाहरण है! वह मेट्रो ट्रेन पर हमला करके सैकड़ों जानें खतरे में डाल रहा था! इसीलिए मुझे उसको रोकने के लिए उस पर नाग-शक्तियों का प्रयोग करना पड़ा!
यानी मानवों की जानें बचाने के लिए आपने नागशक्तियों का प्रयोग नाग के विरुद्ध किया!
मैंने न्यायालय के सामने अपना पूरा पक्ष रख दिया है। अब निर्णय न्यायालय के हाथों में है!
सुनवाई पूरी हुई!
अब निर्णय सुनाया जाएगा!

नागराज पर नागशक्तियों के दुरुपयोग का आरोप खारिज किया जाता है! परंतु नागसंहिता के अनुसार नागशक्तियों का प्रयोग करने वाला मानवों के बीच में नहीं रह सकता! नागराज को अगर नागशक्तियां धारण करनी हैं तो उसको नागों के साथ ही रहना होगा!
अगर नागराज मानवों के साथ रहेगा तो ये शक्तियां उससे ले ली जाएंगी! अब नागराज को यह फैसला स्वयं करना है कि वह नागशक्तियों के साथ, नागरूप में नागों के साथ रहेगा या नागशक्तियों के बगैर सामान्य मानव बनकर मानवों के साथ!
तुम्हारा क्या फैसला है, नागराज?
मैं नागसंहिता का सम्मान करता हूं और नागों के लिए मेरे दिल में बहुत प्रेम और सम्मान है! लेकिन मैंने मानवता और मानवजाति की भलाई की शपथ ली हुई है! इसीलिए मैं मानवों के साथ रहना ही पसंद करूंगा!
और जो शक्तियां मेरे पास हैं वे देव कालजयी का आशीर्वाद हैं!
इन शक्तियों को न तो कोई मुझसे ले सकता है और न ही मैं इनको छोड़ सकता हूं!
नागराज! तूने नागाधीश की शक्ति को पहचाना नहीं है! तूने अपना फैसला सुना दिया है! अब नागाधीश का फैसला भी देख ले!
हे न्यायदंड की शक्तियों...

नागराज की नागशक्तियों को हर लो!
आऽऽऽ ह! ये... ये नहीं हो सकता! मेरा नागत्व मुझसे अलग नहीं हो सकता!
अभी भी समय है! फैसला बदल ले, नागराज!
मैं फैसला नहीं बदल सकता नागाधीश! मैं विवश हूं!
तो फिर हम भी विवश हैं, नागराज! तुम्हारी नागशक्तियां तुमसे छीनी जाती हैं!

जाओ मानवों के पास और सामान्य मानवों की तरह जीवन व्यतीत करो!
तुम्हारी नागशक्तियां मेरे पास ही रहेंगी! जब भी तुम्हारा फैसला बदले, नागाधीश के पास आ जाना!
नागाधीश फिर से तुमको पूर्ण नागराज बना देगा!
अब जाओ मानवों की बस्ती में!
आSSSSSS
TTSSSSSSSS
ओSSSSTTह!
ANCE
BAR
ओए! ये नंगा कहां से आकर गिरा है? दारू पीकर पैसे नहीं दिए क्या?

ओए! एक घूंट मंगता है क्या? फ्री में! हिच्च!
ओए, मैं नशे में हूं या ये आदमी नागराज जैसी बेल्ट पहने हुए है!
इसके बाल भी नागराज जैसे हैं!
ओए! इसकी तो शक्ल भी नागराज जैसी ही है!
लेकिन अगर ये नागराज है तो इसकी हरी खाल कहां गई?
केंचुली उतारी होगी 6#O ने! इसीलिए इतना कमजोर नजर आ रहा है! यही मौका है इससे भाई को बीस साल के लिए अंदर करवाने का बदला लेने का!
तड़
इससे पहले कि ये संभले, हड्डियां नरम कर दें 6#$ की!
अब तक नागराज ने जो भी वार खाए थे, वे नागशक्ति वाले मजबूत शरीर पर खाए थे-
ढन
तड़
धड़

आज उसको पहली बार इस बात का एहसास हो रहा था कि सामान्य शरीर पर पड़ने वाले वारों का क्या असर होता है-
आऽऽह! बहुत कमजोरी महसूस हो रही है! और मैं नागशक्तियों की मदद से लड़ने का आदी हूं! इस स्थिति में मैं इन तीनों का एक साथ मुकाबला नहीं कर सकता!
अरे! कौन?
कैडेट्स ऑफ कमांडो फोर्स ऑफ महानगर नागराज सर!
हां, कौन?
आप फिक्र न करें सर! इनको हम संभालेंगे।
इनको संभालोगे? पर कैसे?
हम सभी कैडेट जुजुत्सु ब्राउन बेल्टर हैं, सर!

लेकिन तुम लोगों को मेरी मदद के लिए किसने भेजा है ? तुम लोगों को कैसे पता चला कि मुझको यहां पर मदद की जरूरत है ?
ये पक्षी हमारे कैप्टेन ध्रुव के दोस्त हैं सर ! ये ही हमको यहां पर लेकर आए हैं। कैप्टेन ने इन पक्षियों को स्पेशल ट्रेनिंग दी है।
वैसे हमने इसकी खबर राजनगर के कमांडो फोर्स हैड-क्वार्टर में भी भेज दी है।
हो गया, नागराज सर !
एक बात पूछें नागराज सर ?
हां, पूछो !
चट
आपके कपड़े (ही ही ही) कहां गए ?
वो मैं...
शटअप प्रेरणा ! इसके पूछने का मतलब आपकी हरी स्किन से था सर !
बगैर हरी खाल के आपको पहचानने में हमको काफी मुश्किल हुई थी !
अब मैं... नागराज नहीं हूं, कैडेट्स।
अब थोड़ी देर बाद लोग भी यही कहेंगे।
सच कहा !
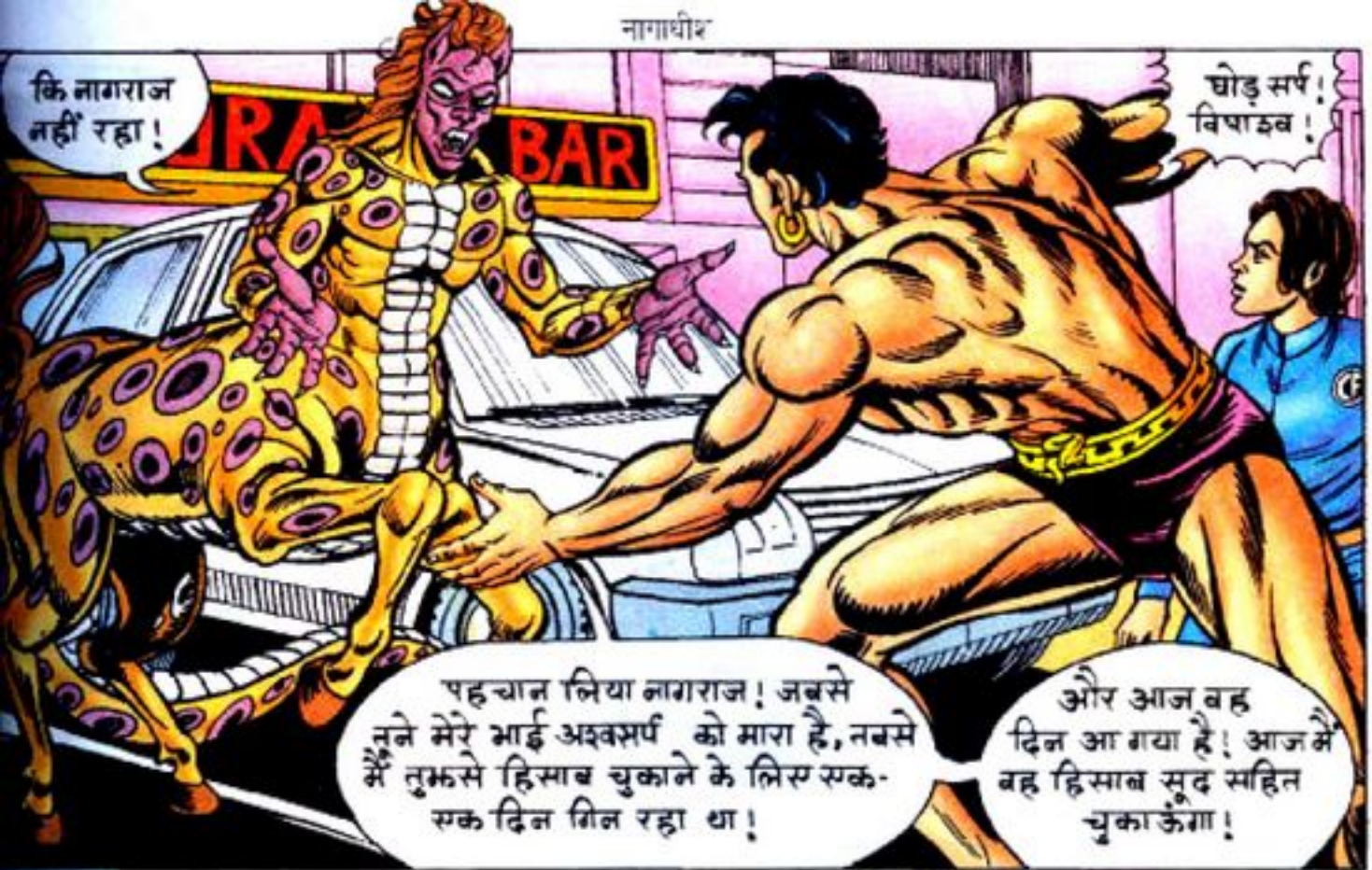
कि नागराज नहीं रहा!
घोड़ सर्प! विषाश्व!
BAR
पहचान लिया नागराज! जबसे तूने मेरे भाई अश्वसर्प को मारा है, तबसे मैं तुझसे हिसाब चुकाने के लिए एक-एक दिन गिन रहा था!
और आज वह दिन आ गया है! आज मैं वह हिसाब सूद सहित चुकाऊंगा!
कमाल है! मेरी शक्तियां जाने की खबर इतनी जल्दी मेरे दुश्मनों के बीच में कैसे फैल गई?
डोंट वरी सर! हम आपकी मदद करेंगे!
और न ही अपने दुश्मन को मैदान से भागने देते हैं!
तेरे सचमुच बहुत बुरे दिन आ गए हैं नागराज!
नहीं बच्चों! ये सांप खतरनाक है! तुम लोग यहां से जाओ!
हम बच्चे नहीं, कमांडो फोर्स के कैडेट हैं सर! हम मैदान छोड़कर नहीं भागते!
जो तुझे अपनी जान बचाने के लिए बच्चों की मदद लेनी पड़ रही है!

हट!
मच्छर कहीं के!
नागराज, नाग-शक्तियों के बगैर भी इतना सक्षम है कि तुम जैसे कीड़े को मसल सके!
विषाड्व! तूने बच्चों पर वार करके अच्छ नहीं किया!
धमम
तेरा यह वार तो मेरे शरीर प अभी धूल तक क नहीं उड़ा पाया!
लेकिन मेरा एक ही वार तेरे प्राण-पखेरू उड़ा देगा!
मुझे अंदाज़ा नहीं था कि चोट लगने से इतना द होता है! बगैर शक्तियों मैं अपनी जान नहीं बचा सकता!
आऽऽऽह!

आऽऽऽऽ
तू फिर आ गई ? इस बार मैं तुझको...
...अपने खुरों से रौंद डालूंगा!
तेरी हड्डियों का सुरमा बना डालूंगा!
नागराज को ऐसों की रक्षा के लिए ही नाग शक्तियों को छोड़ना पड़ा है, विषाड्व !
मेरे जीवित रहते तू इनको नुकसान नहीं पहुंचा सकता !
मेरे वारों में इतना दम नहीं है कि विषाड्व को नुकसान पहुंच सके!
अब मुझको अपनी शक्तियों पर नहीं, बल्कि अपनी युद्ध कलाओं के ज्ञान पर निर्भर रहना होगा !
स्नेक-फाइटिंग के दांवों से इसके मर्म-स्थलों पर प्रहार करना होगा !
कटट्
आऽऽऽ हू! ये कैसा वार है? मेरा गला सुन्न हो गया है! मैं विष फुंकार का प्रयोग नहीं कर पा रहा हूं !
नागराज अभी भी काफी खतरनाक है! अगर मैं असफल हो गया तो मेरा हाल भी मेरे भाई जैसा ही होगा!
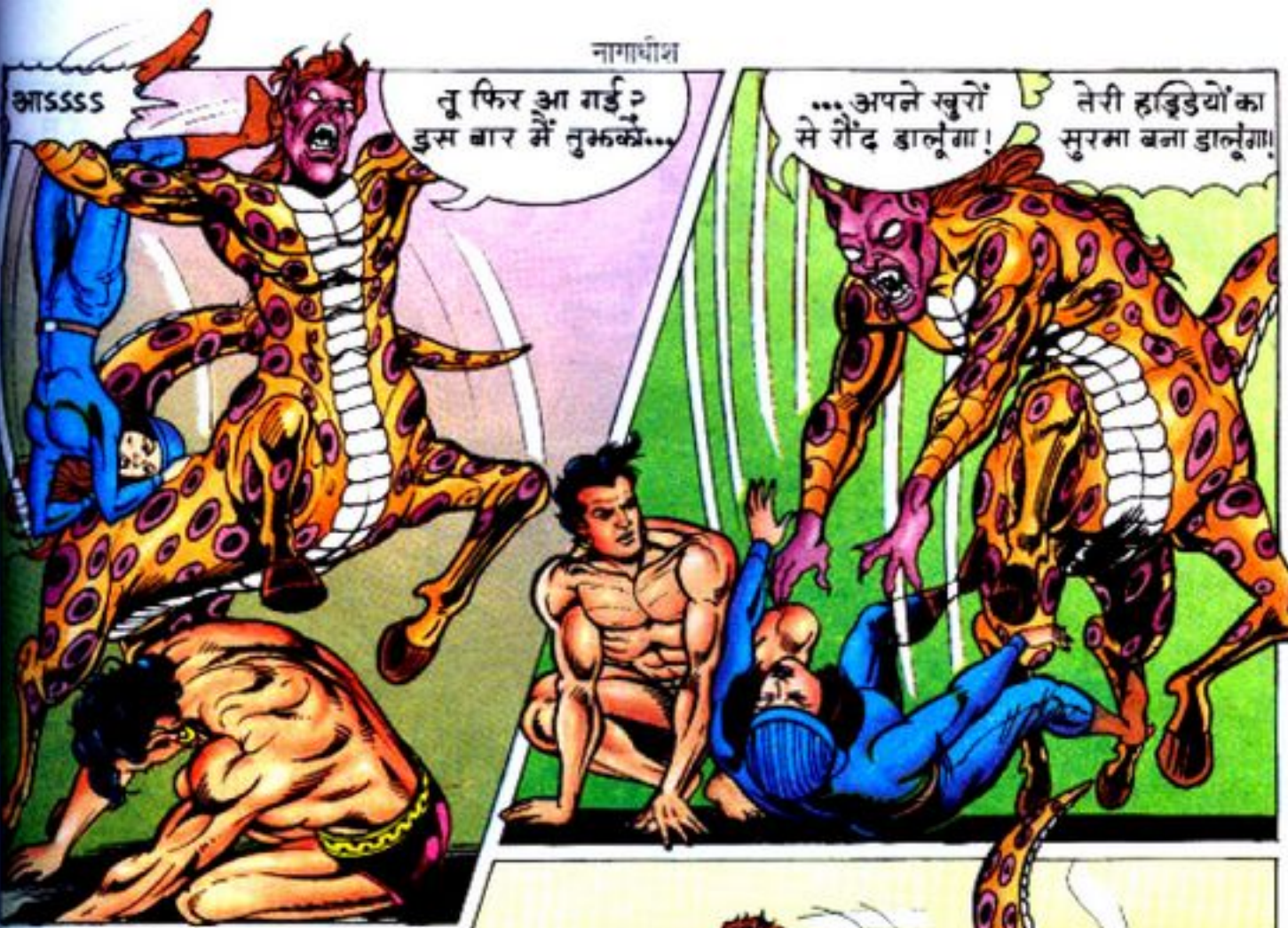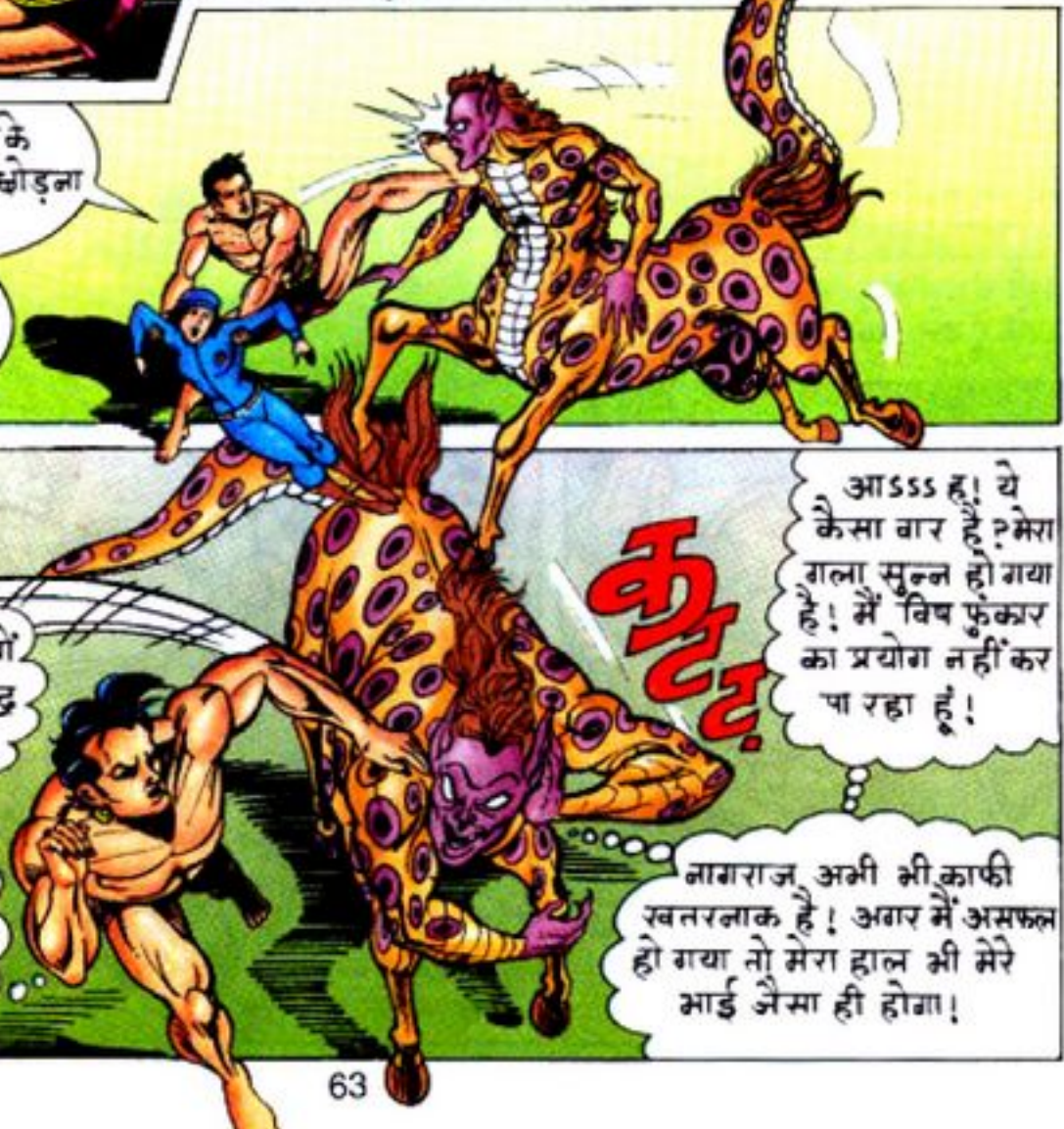
विषाङ्ग की दुम लहरा उठी-
अब तू विषाङ्ग के दुम नागों से नहीं बच पाएगा नागराज!
आऽऽऽह! एक तो इसकी दुम कुंडली की तरह मेरे बदन को कस-कर मेरी हड्डियां तोड़ रही है...
...और दूसरी तरफ ये मुझे पटक-पटककर रही सही कसर निकाल रहा है!
अब तो आंखों के आगे अंधेरा भी छाने लगा है!
अब बचना मुश्किल है!
लेकिन तभी-
सभी बंधन एक-एक करके टूटते चले गए-
स्टार ब्लेड!
यानी मेरी मदद करने के लिए...
... ध्रुव खुद यहां पर पहुंच गया है!
सॉरी नागराज!
मैं सूचना मिलते ही चल पड़ा था!
लेकिन फिर भी, लगता है कि थोड़ा लेट हो गया!
नहीं, दोस्त! तुम एन वक्त पर आए हो!

लेकिन तुम्हारी ये हालत क्यों हो गई है, नागराज ?
नाग-न्यायालय में मुझ पर नागशक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया और मेरे नागरूप को मुझसे अलग करके मेरी नागशक्तियों को छीन लिया गया !
तुम पर ऐसा आरोप ? ऐसा आरोप तुम पर लगाया किसने?
आरपार नाम के एक अपराधी सर्प ने ! लेकिन मुझे पता है कि उसने ऐसा किसी के कहने पर किया है!
और अब मेरे सामने नागशक्तियों को वापस पाने का एक ही रास्ता है!
उस षड्यंत्रकारी को ढूंढना और उससे सच उगलवाना।
ये काम तो तुम बहुत आसानी से कर सकते हो! इस सर्प को पकड़कर!
मुझे पूरा यकीन है कि इसको भी उसी षड्यंत्र कारी ने भेजा है!
वर्ना ये इतनी जल्दी तुम पर हमला करने के लिए सही जगह पर न पहुंच जाता।
ये बात तो मैं भी सोच रहा था!
अब मुझे अपना पूर्ण नागरूप धारण करना ही पड़ेगा!
फिर मैं इन दोनों को सही जगह पर पहुंचाऊंगा!
श्मशान में!

आऽऽऽह! ये घोड़ सर्प तो बहुत खतरनाक हैं!
इनमें नागों की चपलता और घोड़े की शक्ति होती है! इसीलिए अश्वनाग सबसे घातक सर्पों में से एक माने जाते हैं!
फिर तो इस पर घोड़े को काबू में करने वाला तरीका आजमाना पड़ेगा!
अब यहां पर लगाम कहां से आएगी?
घोड़े को काबू में करने के दो तरीके होते हैं। एक तो उस पर सवारी करना और दूसरा उस पर लगाम कसना!
ये रही लगाम नागराज!
आएगी! इन तीन बेहोश गुंडों की बेल्टों की मदद से हम लगाम बनाएंगे!
तुम इस पर लगाम कसो और मैं इस पर सवारी करके इसका ध्यान बंटाता हूं!

घोड़े की एक ही मानसिकता होती है। उसको पसंद नहीं होता कि कोई उस पर सवारी करे-
वह उसको गिराने की भरसक कोशिश करता है-
लेकिन अगर वह सवार को गिरा नहीं पाता तो वह थकता जाता है-
उसका आत्मविश्वास टूटता जाता है-
और इसके बाद अगर उस पर लगाम भी कस दी जाए-
तो फिर वह पूरी तरह से टूट जाता है-
घोड़ा पालतू बन जाता है-
ठीक ऐसा ही अश्वसर्प विषाश्व के साथ हो रहा था-

लेकिन तभी-
अरे! ये तो गायब हो रहा है!
यानी इसके पीछे जरूर कोई है!
और वह नहीं चाहता कि इसकी जुबान खुले!
अब ये हमारे काबू में है, नागराज! बताओ अब इसका क्या करना है?
इसको स्नेक पार्क ले चलते हैं। वही एक जगह है जहां पर इसको कैद में रखा जा सकता है! वहां पर पहले इसका विष निकाला जाएगा, और फिर मैं इससे पता करूंगा कि इसको भेजने वाला कौन है?
ओह! आई एम सॉरी नागराज!
हमेशा की तरह फिर कोई जरूरी काम निकल आया है! मुझे जाना होगा!
अब हम इंतजार के अलावा कुछ नहीं कर सकते नागराज!
और यह इंतजार मुझे राज बनकर करना होगा!
तब तक मैं... ओह! मैसेज आ रहा है!
पिंग पिंग पिंग
ताकि मेरा दुश्मन मुझे न ढूंढ पाए! और मैं उसको ढूंढ सकूं!
मेरी जरूरत पड़े तो मुझसे संपर्क कर लेना! ब्रह्मांड रक्षकों की फ्रीक्वेंसी पर!
कर लूंगा लेकिन उम्मीद करता हूं कि मुझे उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी!

नगीना का गुस्सा लावे की तरह फूट रहा था-
निकम्मा है तू! शेर बनकर गया था और कुत्ता बनकर लौट आया है!
पालतू कुत्ता!
मेरे नागराज की शक्तियां धारण करने से पहले नागराज का मरना बहुत जरूरी है!
वर्ना वह अपनी शक्तियां वापस पाने का प्रयास करता ही रहेगा!
अरे, पहले उसकी शक्तियां अपने पास आने तो दो!
उनको लाना तो तुम्हारा काम है!
मैं पहले ही बता चुकी हूं कि नागाधीश के नागयालय में कोई भी सर्प बगैर उसकी आज्ञा के न तो अंदर आ सकता है! और न ही बाहर जा सकता है!
और नागराज की शक्तियां नागयालय में ही रखी हुई हैं!
और नागयालय, नागाधीश के विशाल लिबास के अंदर है! और वहां पर पहरा बहुत सख्त है!
देखा, तुमने ये बात इतनी बार कही है कि मुझे ये सब याद हो गया है!
फिर कहां है तुम्हारा तुरुप का इक्का?
यहां है!
माफ कीजिए आने में थोड़ी देर हो गई!
ये कौन है?
तुरूप का इक्का! दुनिया का सबसे शातिर चोर, क्रैकर!
नागयालय में कोई सांप अंदर नहीं जा सकता! पर इंसान तो जा सकता है न!

ये लाएगा नागाधीश के निवास से नागराज की शक्तियों को!
वाह! मान गए तेरी सोच को मिस किलर!
ए, ए, एक मिनट! ये नागराज का क्या लफड़ा है, भई? अपुन चोर है. कोई सुपर विलेन नहीं है!
अपुन को नागराज के लफड़े में नहीं पड़ने का!
अपना टेन मिलियन डॉलर अपने पास ही रखो!
बीस मिलियन?
नो!
तीस मिलियन?
नो!
फिफ्टी मिलियन?
नो!
हंड्रेड मिलियन?
ओ. के.! ओ. के.! फिफ्टी परसेंट एडवांस!
ये लो फिफ्टी मिलियन डॉलर कैश!
ही ही! हिच्च! ही ही ही!
माल कब मिलेगा?
वो क्या है नागयाललल... लायलू... जो भी है! उसका एड्रेस देने का और बस डे वेट करने का!
'वेट' क्या होता है?
इंतजार पार्टनर!
मैं इंतजार नहीं कर सकती! मुझे शक्तियां मिलने से पहले नागराज को मारना है!
मैं नागराज को मारने खुद जाऊंगी!
और मुझे पता है कि नागराज मुझे कहां पर मिलेगा

भारती कम्युनिकेशंस, महानगर में-
ये क्या अनर्थ हो गया, नागराज ?
नागाधीश यह नहीं समझते कि बदलते समय के साथ कानून की धाराएं भी बदलती रहती हैं!
और जो समय के साथ नहीं बदलते, समय उनको मिटा देता है!
अब तुम्हारा क्या प्लान है ?
मुझे पूरा यकीन है कि ये कोई षड्यंत्र है, वर्ना इतने वर्षों में ये कार्यवाही मुझ पर पहले ही की जा चुकी होती।
मुझे उस षड्यंत्रकारी तक पहुंचकर नागाधीश की आंखें खोलनी हैं!
ओफ्! कॉफी खत्म हो गई है! एक मिनट रुको! मैं अभी स्टोर से कॉफी लेकर आती हूं!
वी विल टॉक ओवर ए कप ऑफ कॉफी!
कॉफी, कॉफी! ये रही!
मैडम।
हां, कहो! यहां अंधेरे में क्या कर रही हो ?
आपका इंतजार।
मेरा इंतजार? कौन हो तुम?
अपने आपको ही नहीं पहचानती, मैडम भारती ?
व्हाट? तुम...

अब तुम आराम करो मिस भारती!
फूsss
क्योंकि तुम्हारा काम अब नगीना सँभालेगी!
यही वह जगह है जहां से नागराज की खबरें सबसे पहले प्रसारित होती हैं! यानी भारती का नागराज से गहरा संबंध है! मैं भारती बनकर भारती की कुर्सी पर बैठूंगी, और जैसे ही नागराज मेरे सामने आएगा मैं उसका अंत कर दूंगी!
TORE
अरे, भारती! बहुत देर लगा दी कॉफी लाने में।
और... अरे तुम कॉफी लेकर नहीं आईं?
हां... वो...मिली नहीं! मिली नहीं!
कोई बात नहीं! मेरा वैसे भी कॉफी पीने का मूड नहीं था!
ह... हां! ठीक है!
कहीं ये ही तो नागराज नहीं है। शक्ल तो मिलती है! कानों में बालियां भी पहने है! लेकिन... ऊंहूं!
ये शक्ल से ही मूर्ख लगता है! ये नागराज नहीं हो सकता!
पर ये मुझे नागराज तक पहुंचा जरूर सकता है!
क्या हुआ भारती? तुम बहुत चुपचाप हो! कोई बात है क्या?
वो... मैं नागराज के बारे में सोच रही थी!

नागराज ! तुम नागराज के बारे में क्या सोच रही थी ?
जैसे कि नागराज अभी क्या कर रहा होगा! उसके नए कारनामे की खबर हम तक कब पहुंचेगी!
देखो-अ-! हमारा ये काम नागराज की खबरों के कारण ही चलता है ! इसीलिए मैं नागराज को सम्मानित करना चाहती हूं ! इसके लिए तुम मेरी नागराज से मुलाकात कराओ !
ये क्या बोल रही हो भारती ! तुमने कॉफी के धोखे में कुछ और तो नहीं पी लिया ?
ओफ् ! ये कहीं पहचान न जाए कि मैं भारती नहीं हूं ! बात को घुमा फिराकर पूछना होगा !
कुछ गड़बड़ है ! या तो भारती का दिमाग असंतुलित हो गया है या फिर ये भारती है ही नहीं!
पता लगाना ही पड़ेगा !
आओ भारती ! मैं तुमको नागराज के पास ले चलता हूं !
तुमको पता है कि नागराज इस वक्त कहां होगा?
पता है ! आओ मेरे साथ !
और फिर-
नागराज यहां मिलेगा ? जंगल में ?
यहीं मिलेगा ! तुम जरा इंतजार करो !
मैं नागराज को अभी लाता हूं !

और कुछ ही पलों के बाद-
कहो भारती! क्या काम है मुझसे?
नागराज! बहुत जरूरी काम है तुमसे?
मुझे तेरा अंत करना है!
नगीना!
हां, नगीना! मुझे ये तो पता नहीं कि तूने अपनी पुरी खाल फिर से कैसे पा ली, लेकिन ये अच्छा ही है! मैं तुझे इसी रूप में मारना चाहती थी!
अब ये वाहन तेरी चिता बनेगा! और तुझको अग्नि मैं दूंगी!
नगीना! ये... ये क्या कर रही हो? मुझे मारो मत! मत मारो!

गिड़गिड़ा! और गिड़गिड़ा नागराज! तेरी डरी हुई आवाज सुनकर मुझे बड़ी तसल्ली मिल रही है!
लेकिन तुझे खत्म करके मुझे और भी तसल्ली मिलेगी!
हा हा हा! मैंने मार डाला नागराज को!
मार डाला!
लेकिन उस चक्कर में पांच लाख की कार का भी सत्यानाश कर डाला!
नागराज... तू...तू यहां है तो वो कौन था?
मेरी केंचुली थी! पर आवाज मेरी ही थी!
तुम्हारा असली रूप देखने के लिए ये नाटक मुझे करना ही पड़ा!
अब बताओ! असली भारती कहां है?
अब मैं सब समझ गया! आरपार को तुमने ही भेजा था! और उसका असली मकसद मेट्रो को रुकवाना नहीं, बल्कि मुझे मारना था! पर वह असफल रहा! और तुमने योजना बदल दी! तुमने आरपार के जरिए नागाधीश को मेरा दुश्मन बना दिया!
भारती की छोड़ और अपनी चिन्ता कर नागराज! मेरे सामने आकर तू अपनी मौत तक खुद चलकर आ गया है! इस शक्तिहीन हालत में नगीना तुझको मच्छर की तरह मसल देगी!
जो काम विषाक्ष नहीं कर पाया, उसको मैं पूरा करूंगी!
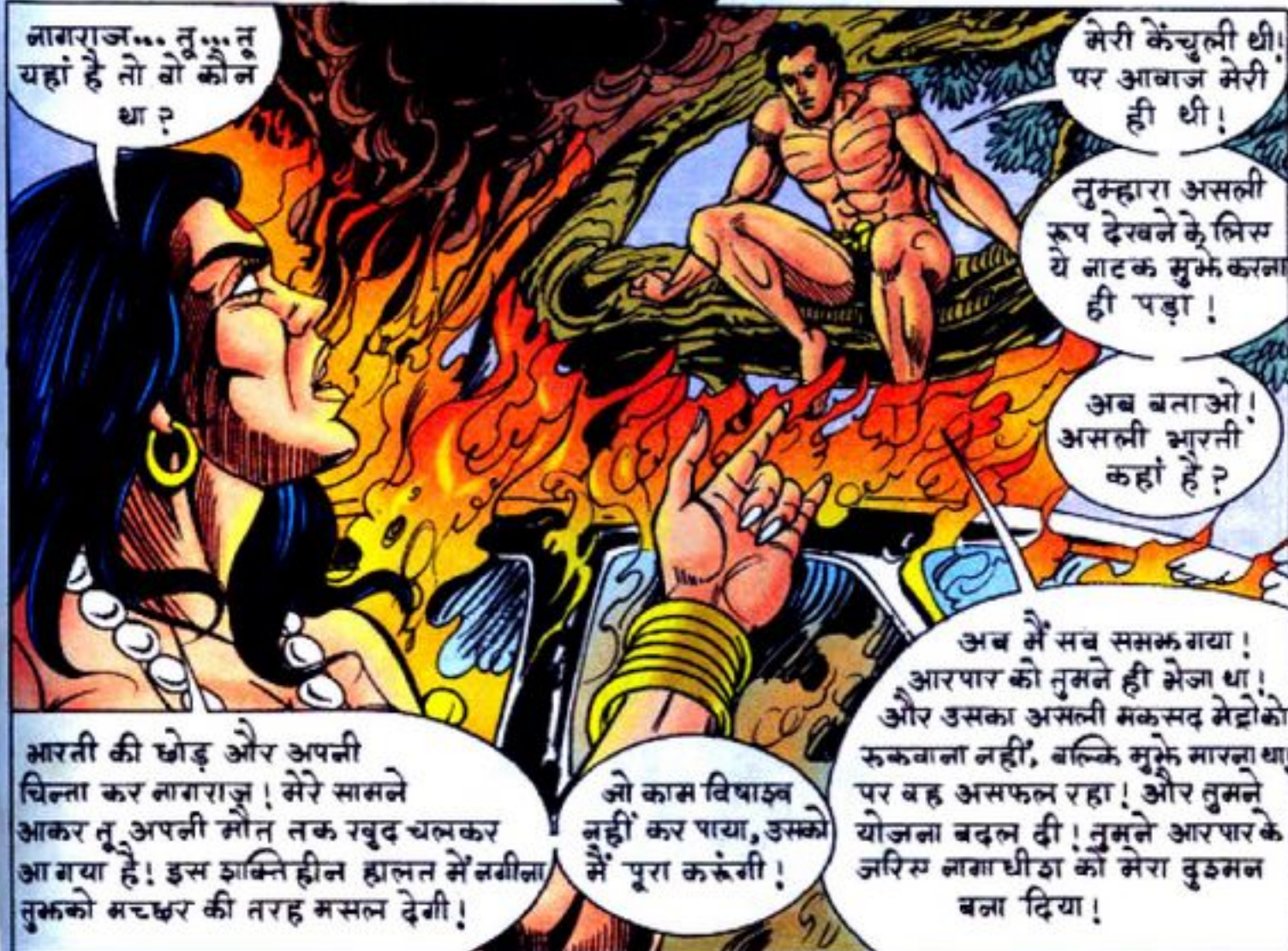
एकदम सही नागराज! नागाधीश के पास से तेरी शक्तियां मेरे पास आने ही वाली है! उसके बाद तेरी शक्तियां मेरे शरीर में होंगी! पर उससे पहले तेरी जान तेरे शरीर से बाहर होगी!
ऐसा नहीं होगा नगीना! अब मैं तुझे लेकर नागाधीश के पास जाऊंगा और तेरे षड्यंत्र को उनके सामने बेनकाब कर दूंगा!
नागराज पहले से ही मुश्किल में था–
और उसकी मुश्किल अभी और भी बढ़ने वाली थी–
यही बांबी नागाधीश के निवास तक जाती है!
किस्मत साथ दे रही है! अभी तक मेरा सामना किसी नाग से नहीं हुआ है!... ...लेकिन...
...वाऊ! क्या जगह है! इस बांबी की तो छत तक नजर नहीं आ रही है! पर सामने नागाधीश का महल अवश्य नजर आ रहा है!

और महल में ही है वह नागालय ... जो भी है... जहां पर नागराज की शक्तियां रखी हैं!
अब वहां तक पहुंचने के लिए फार्मूला घास लगाना पड़ेगा!
छुपने के हर फन में माहिर क्रैकर प्रहरी नागों की नजर से बचता हुआ महल के पास तक पहुंच गया था-
अब इस काम का मुश्किल चरण शुरू होने वाला था-
क्रैकर को नागालय तक पहुंचना था और पहरा सख्त होना शुरू हो गया था-
नागाधीश निवास में-
लो, न्याय दंड को संभालो, उपनागाधीश! मैं आराम करने जा रहा हूं!
उचित है नागाधीश! क्योंकि इस न्यायदंड को या तो आप संभाल सकते हैं, या फिर मैं!
पर ये मत भूलना कि नागालय और उसमें रखी वस्तुओं की रक्षा करने का जिम्मा भी उसी का होता है जो न्याय दंड को धारण करता है!
नागालय तो वैसे भी मंत्रित है, नागाधीश! नागालय बंद होने के बाद तो कोई नाग उसमें घुस ही नहीं सकता!
फिर भी! सचेत रहना! उसमें कोई बुराई नहीं है!
सचेत रहने की सलाह सही थी-

क्योंकि खतरा नागयालय तक जाने वाली सुरंग के द्वार तक आ पहुंचा था-
नागयालय
फार्मूला क्लेक मुझे नागया... ओफ़! ये नाम मुझे याद क्यों नहीं रहता! जो भी हो उसकी एंट्रेन्स तक ले आया है। लेकिन अंदर घुसना मुश्किल है! दरवाजे पर ऐसा अजीबोगरीब ताला लगा है जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा!
लेकिन क्रैकर उस ताले को भी क्रैक कर डालेगा!
क्रैकर के लिए सचमुच ताले को खोलना ज्यादा मुश्किल नहीं था-
और न ही उस सुरंग के अंदर घुसना जो खतरनाक सर्प प्रहरियों से भरी हुई थी-
ओफ़! कितने भयानक सांप हैं यहां पर! अगर इन्होंने कसकर जंभाई भी ली तो इतना जहर निकलेगा जो मेरी सांसें रोक देगा!
मुझे मानव गंध आ रही है!
ऊपर देखो! एक मानव है!

ये यहां तक कैसे पहुंच गया? पकड़ो इसे!
फुंकार छोड़ो!
ओ शिट!
केकर अब तक तुमको नजर नहीं आया था।
अभी भी नहीं आएगा।
ओ! गोले में धुंआ!
खौं खौं! हमारे जहर से भी ज्यादा जहरीला है ये धुंआ!
कुछ दिख नहीं रहा है! वह मानव कहां गया?
अरे! ये मैं हूं! छोड़ मुझे!
और जब धुंआ छंटा-
अरे! कहां गया चोर?
ये देखो! उसके पैरों के निशान!
वह बाहर की तरफ भागा है!
चलो! बाहर चलकर पकड़ें उसे!
जाओ, जाओ! थैंक्यू उल्टे सोल तूने कमाल दिखा दिया!
अब नागराज की शक्तियां मेरे सामने हैं!
इतनी जल्दी नहीं, मानव!
अभी तुमको उप नागाधीश से निपटना बाकी है!

मेरी एक फुंकार तुझे मौत की नींद सुला देगी!
हाऽऽऽऽ
ये विष की काट वाली एंटीडोट मैं अपने लिए लेकर आया था! पर इसे तुम खा लो!
आऽऽऽ! ये तूने मुझे क्या खिला दिया! पेट खराब हो रहा है! मुझे कमजोरी लग रही है!
आऽऽऽ
जहर ही तुम्हारी शक्ति है! जहर घटेगा तो कमजोरी लगेगी ही!
तड़ाक
पर तुम... बाहर नहीं... जा सकते! आऽऽऽऽ
बाहर तो मैं जाऊंगा...
...पर ऐसे नहीं फार्मूला नागा के साथ!
मिला कहीं?
कौन?
वह मानव!
सभी उसको ही बांबी के हर कोने में ढूंढ रहे हैं!
मैं उसको बाहर जाकर ढूंढता हूं! कहीं वह बाहर न भाग गया हो!
अच्छा ख्याल है! जाओ... जाओ!

नागराज की शक्तियां नगीना तक पहुंचने वाली ही थीं-
आऽऽऽह! मैं जानता हूं कि तेरी शक्तियों का केन्द्र ये तंत्र मुंड है! इसके अलग होते ही तू तांत्रिका नागिन से सिर्फ नागिन रह जाएगी!
और मुझे अभी भी नागों को वश में करना आता है!
भूल मत कि तू नागशक्तियों वाला नागराज नहीं है!
चल! हम दोनों साथ मिलकर इसे मारते हैं।
ठीक है! क्रैकर ने इसकी शक्तियां चुरा ली हैं!
अच्छा किया! मरते-मरते नागराज मुझको अपनी शक्तियां धारण करते हुए भी देखेगा!
दो महा खलनायिकाओं के सामने अकेला नागराज कमजोर पड़ने लगा था-
नगीना! ये क्या कर रही है! भूल गई नागराज को मारने का श्रेय मुझे लेना है!
मैंने उसे यहीं पर बुला लिया है!
धीरे- धीरे मरना नागराज! क्योंकि क्रैकर को अभी थोड़ा सा वक्त और लगेगा!
नागराज सच्चाई का रूप है पापिनों!

... और सच्चाई कभी नहीं मिटती।
तिलिस्म का महान ज्ञाता फेसलेस!
हां, नागराज! अब तुम अकेले नहीं हो! और ये रहा वह तिलिस्मी यंत्र जो नागवारों से तुम्हारी रक्षा करेगा!
और मिस किलर की यांत्रिक शक्तियों से मैं निपट लूंगी... मतलब लूंगा!
अच्छा हुआ कि मैं जल्दी ही होश में आ गई और दरबान से ये पता चलते ही कि नागराज मेरे साथ कार में गया है, मैंने सेटेलाइट सिस्टम से कार की स्थिति का पता लगाया और यहां तक आ पहुंची
अब मुकाबला बराबर का था-
लेकिन जल्दी ही पलड़ा नगीना और मिस किलर की तरफ झुकने वाला था-
मिस किलर! मिस किलर!
अरे! ये इच्छाधारी सांप क्रेकर की आवाज में कैसे बोल रहा है!
मैं क्रेकर ही हूं और मैं नागराज की शक्तियां ले आया हूं पर... पर...

... उप नागाधीश मेरे पीछे पड़ा है!
ओहो!
सिर्फ उप नागाधीश ही नहीं, नागाधीश भी इस अपराध का दंड देने यहां पर आ पहुंचा है!
नागराज की शक्तियां मेरे हवाले कर दे मानव!
अच्छा हुआ कि तुम खुद आ गए, नागाधीश! वर्ना मुझे तुम तक जाने की तकलीफ उठानी पड़ती!
सम्मान सहित बात करो नगीना! अन्यथा तुम पर अवमानना का आरोप लग सकता है!
तुम्हारे दिन लद चुके हैं नागाधीश! अब तुम्हारा स्थान नगीना लेगी!
ये... ये क्या? मेरा न्याय दंड मेरे हाथों से छूटकर नगीना के पास आ रहा है! पर क्यों?
क्योंकि तुम अपराधी नागराज को पूरा दंड देने में असफल रहे! इसकी नागशक्तियां तुम्हारी नाक के नीचे से गायब हो गईं! और अब इसको दंड मैं दे रही हूं। इसीलिए न्याय दंड मुझे नागाधीश मान रहा है!
और अब जब नगीना नागाधीश बन चुकी है तब वह तुमको भी तुम्हारी भूल का दंड देगी! अपराधी नागराज को सजा न दे पाने की सजा!
बधाई हो नगीना! तुम्हारी योजना सफल रही!
योजना! यानी यह सब एक षड्यंत्र था!

सही समझे नागाधीश! आर-पार को महानगर में भेजना और नागराज का उसको रोकना कालदूत के हवाले करना फिर उसके द्वारा नागराज की शिकायत करना और तुम्हारा वही न्याय करना जो तुम पहले से जानते थे, यह सब मेरी योजना का हिस्सा था।
बस इसमें मुझे मानवों की सहायता नागराज की शक्तियों को यहां तक लाने के लिए पड़ी, क्योंकि नाग तुम्हारे न्यायालय में बगैर तुम्हारी आज्ञा के घुस नहीं सकते थे।
अब तेरी शक्तियां समाप्त होकर नगीना के पास आ गई हैं, नागाधीश!
ला क्रैकर! नागराज की शक्तियां मुझे दे दे!
ताकि मैं उन शक्तियों को धारण करके नागाधीश बनने के साथ-साथ ब्रह्मांड की सबसे शक्तिशाली नागिन बन जाऊं!
ये शक्तियां जिसकी हैं, उसको ही मिलेंगी नगीना!
ये क्या बक रहा है क्रैकर! तू पागल तो नहीं हो गया है?
पागल तो तुम हो जो क्रैकर को पहचान नहीं पाई, मिस किलर!
सुपर कमांडो ध्रुव! तुम... तुम क्रैकर थे?
मैं चाहता तो तुमको पहले ही पकड़ लेता! जो चोर तुमने मोनालिसा के लिए भेजा था उसका भागते समय चमगादड़ों ने पीछा किया और मुझे तुम्हारी हवेली तक पहुंचा दिया!
तुम्हारा असली खेल जानने के लिए मैं क्रैकर बन गया, और जब मुझे पता चला...
...कि तुम्हारा संबंध नागराज की शक्तियां चुराने से है तो मैं वह चोरी करने के लिए तैयार हो गया जिसमें अगर मैं असफल हो जाता तो मेरी जान भी जाती और नागराज की भी!
वह तो अभी भी जाएगी!
जीना चाहता है तो नागराज की शक्तियों को मेरे हवाले कर दे!

वर्ना तेरे मरने के बाद मैं खुद ही नागराज की शक्तियों को ले लूंगी!
अब नागराज की शक्तियां सुरक्षित हैं! और मैं खुलकर तुम दोनों से लड़ सकता हूं!
मेरी दिलचस्पी नागराज की शक्तियां हासिल करने में है!
तुमसे लड़ने में नहीं!
शक्तियां मेरे हवाले कर! वर्ना तेरा दोस्त इस दुनिया से जाएगा!
इसे धमकी मत समझना!
न... नहीं!
मैं तुमको शक्तियां देता हूं!

और नागराज के शरीर में फिर से समा रही हैं!

खैर,..अब मैं नागाधीश हूं! मैं न्यायदंड की मदद से नागराज की शक्तियां फिर से खींच लूंगी!
इस आदेश का कोई फायदा नहीं होगा, नगीना!
न्याय दंड! खींच ले नागराज की शक्तियां!
क्योंकि एक ही अपराध के लिए दो बार दंड नहीं दिया जा सकता है!
लेकिन... उससे क्या फर्क पड़ेगा! नागराज की नाग-शक्तियां मुझ पर असर नहीं करेंगी! आखिर मैं नागाधीश हूं!
मेरी नागशक्तियां तुम पर असर नहीं करेंगी!
और तुम्हारी न्याय शक्तियां मुझ पर असर नहीं करेंगी!
इसीलिए मुकाबला बराबर का होगा!
आऽऽऽह! जल्दी ही पूरा नागद्वीप मेरी मदद के लिए यहां आ जाएगा! फिर ये मुकाबला बराबर का नहीं होगा!
लेकिन तब तक तुम नागाधीश नहीं रहोगी!
वो कैसे?
ऐसे! उपनागाधीश दंड संभालिए! और इससे पहले कि नगीना इसको वापस खींच ले, उसको नागालय के विरुद्ध षड्यंत्र रचने का दंड दे दीजिए!
समझ गया नागराज!

नगीना, मैं उपनागाधीश तुमको नागाधीश एवं नागयालय के विरुद्ध षड्यंत्र रचने के आरोप में बंदी बनाता हूं। तुम पर मुकदमा चलेगा और आरोप सिद्ध होने पर तुमको दंड दिया जाएगा।
सत्य की शक्ति उपनागाधीश के साथ थी! इसीलिए दंड को उसी का साथ देना ही था-
नगीना!
ऐसा नहीं हो सकता!
मैं इसको यहां से ले जा रही हूं। लेकिन हम दोनों फिर से वापस आएंगे! और तुम दोनों को यमराज के पास तक छोड़कर आएंगे!
मिस किलर नगीना को लेकर भाग रही है!
उसकी चिन्ता मत करो नागराज। उसको तो हम ढूंढ भी निकालेंगे और दंड भी देंगे!
फिलहाल तो ये दंड ग्रहण कीजिए नागाधीश!
नागाधीश अब मैं नहीं, तुम हो! हमारी सोच पुरानी हो चुकी है!
नागयालय को युवा और नई सोच की आवश्यकता है! और नाग संहिता के नियमों को भी बदलने की आवश्यकता है!
ताकि नाग न्याय नागराज जैसों का साथ दे!
नगीना जैसों के हाथों की कठपुतली न बन जाए!

समाप्त